फाल्गुन कृष्ण पक्ष सप्तमी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 237 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
21 फरवरी 2025 शुक्रवार

आज का मौसम
30 अधिकतम
18 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

मप्र के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के खाते में 224 करोड़ की राशि ट्रांसफर हुई

परीक्षाओं के टॉपर्स को स्कूटी के बाद अब मिला लैपटॉप, सीएम बोले- नई पौध तैयार कर रहे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र के स्कूली छात्रों को एक पखवाडे के भीतर दूसरी सौगात मिली। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यहां प्रशासन अकादमी में मेधावी छात्रों को लैपटाप खरीद के लिए राशि प्रदान की। मप्र के ऐसे करीब 89710 बालक बालिकाओं को यादव ने 224 करोड़ रूपये की राशि खातों में ट्रांसफर की। शासन की योजना के मुताबिक बोर्ड परीक्षा में 75 फीसदी से ज्यादा अंक लाने वालों को यह सौगात मिलती है। इससे कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री ने मेधावी छात्रों को स्कूटी दी थी 12वीं बोर्ड परीक्षा में टॉप करने वाले 7,900 छात्रों को इसका लाभ मिला है। मुख्यमंत्री ने उसी समय कहा था कि सरकार मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी बताया था कि जल्द ही लैपटॉप योजना भी शुरू की जाएगी। आज कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदयप्रताप सिंह और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। लैपटॉप पाने वाले ये स्टूडेंट्स वर्तमान में कॉलेजों से हायर एजुकेशन की पढ़ाई कर रहे हैं। हर स्टूडेंट को 25 हजार रुपए की राशि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लैपटॉप खरीदने के लिये दी जा रही है। कार्यक्रम में भोपाल जिले के प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप, खेल मंत्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री ष्णा गौर और सांसद आलोक शर्मा भी मौजूद थे।

हम लुटा नहीं रहे...

इस मौके पर सीएम यादव ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि हम पैसा लुटा रहे हैं लोगो की आदत खराब कर रहे हैं। यह दूसरों का भाव हो सकता है लेकिन हम तो आने वाले पीढी व पौध को दक्ष बना रहे हैं उन्हें भविष्य के लिये तैयार कर रहे हैं। सीएम ने गुरुकुल परंपरा का भी उल्लेख किया और तकनीक की जरूरतों पर बल दिया। उन्होंने छात्रों को मंच पर बुलाकर उनसे संवाद किया। उन्होंने बालक बालिकाओं से नाम पूछे और परिवार की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। एक छात्रा ने उन्हें बताया कि वे पहले भी एक कार्यक्रम में उनसे मिल चुकी हैं। कुछ ने अपने आगामी लक्ष्यों के बारे में बात की। बाद में यादव ने सभी को मंच पर बुलाकर उनके संग ग्रुप फोटो कराया।

जैविक खेती को बढ़ावा देने कार्यशाला

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत की। यह कार्यशाला कृषि विभाग द्वारा राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान (बरखेड़ी-नीलबड़ रोड) में आयोजित की गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने एक जिला, एक उत्पाद योजना के तहत लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने जैविक खेती से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं के स्टॉल देखे और किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं और अनुभव जाने।

कांग्रेस में भी डबल इंजन की एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी

आजकल जब भी देश में कोई चुनाव होता है तो डबल इंजन शब्द खूब उछाला जाता है। भाजपा नेता राज्य व केंद्र में भाजपा सरकार के चलते यह नारा देते हैं। हाल में दिल्ली चुनाव तक यह शब्द खूब चला अब पहली बार डबल इंजन का उपयोग सरकार के लिए नहीं, बल्कि सांसद के लिए हुआ। उप्र में रायबरेली सीट से सांसद राहुल गांधी ने 'टू एमपी' थ्योरी दी है। जिसके बाद अब डबल इंजन एमपी चर्चा में आ गया। राहुल ने रायबरेली के ऊंचाहार में एक कार्यक्रम में कहा कि रायबरेली एक ऐसी सीट है जिसके दो सांसद हैं, एक मैं हूं और एक प्रियंका है। आप उसको भी यहां बुला लिया करो। वह भी मुझे वायनाड बुलाती हैं और मैं जाता हूं। इस पर आज प्रियंका गांधी ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा है कि रायबरेली हमारा परिवार है और परिवार का हर हुक्म सिर-माथे पर।

मेरी एक धमकी से बिखरा ब्रिक्स : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स को लेकर एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि ब्रिक्स पर 150 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी के बाद पांच देशों का ये समूह तितर-बितर हो गया है। अमेरिकी डॉलर को चुनौती देने की ब्रिक्स की कोशिशों से कुछ फायदा नहीं होगा। ट्रंप ने कहा कि ब्रिक्स देश हमारे डॉलर को तबाह करने की कोशिश कर रहे हैं, वे नई करेंसी शुरू करना चाहते हैं. इसलिए जब मैं सत्ता में आया तो मैंने पहली बात यही कही कि ब्रिक्स का जो भी देश नई करेंसी की बात करेगा उस पर 150 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। हमें आपके प्रॉडक्ट नहीं चाहिए। ज्ञात हो कि ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।

महाकुंभ से लौटते वक्त भीषण हादसे में छह लोगों की मौत

भोजपुर, एजेंसी

बिहार के भोजपुर में महाकुंभ से लौट रहे 6 लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। मरने वालों में एक परिवार के 4 लोग (दंपती, बेटा और भतीजी) थे। घटना आज सुबह पटना से 40 किमी पहले आराङ्कमोहनिया नेशनल हाईवे पर दुल्हनगंज बाजार स्थित पेट्रोल पंप के पास हुई। यहां कार सड़क किनारे खड़े ट्रक पर पीछे से घुस गई। सभी शव कार के अंदर फंस गए थे। काफी कोशिश के बाद सभी मृतकों को बाहर निकाला गया। माना जा रहा है कि झपकी लगने से कार खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गई।

इधर, महाकुंभ में फिर उमडी भीड़

प्रयागराज। महाकुंभ का आज 40वां दिन है और यहां वीकएंड के चलते भारी भीड उमडी है। वहीं 35 से ज्यादा वीआईपी भी संगम स्नान कर रहे हैं। मेला खत्म होने के 5 दिन और बचे हैं। आज दोपहर तक 50 लाख श्रद्धालुओं ने संगम स्नान किया। संगम आने वाले सभी रास्तों पर 8 से 10 किमी तक श्रद्धालुओं की भीड़ है। शहर के बाहर की पार्किंग में ही वाहनों को रोका जा रहा है। संगम पहुंचने के लिए करीब 10 किमी पैदल तक चलना पड़ रहा है। वहीं सीएम योगी ने अफसरों के साथ मीटिंग में कहा कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम आ रहे हैं। व्यवस्था में चूक की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। ऐसी व्यवस्था बनाएं कि श्रद्धालुओं को कम से कम पैदल चलना पड़े।

मस्क का बर्ताव दिमागी गरीबी और संस्कारों की फूहड़ता: उमा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क द्वारा भारतीयों को डिपोर्ट करने पर की गई टिप्पणी की पूर्व सीएम उमा भारती ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने एक्स पर लिखा है- अवैध निवासी भारतीयों को निकाले जाने का दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने बहुत करूर एवं अमानवीय तरीके से मजाक बनाया है, यह घोर निंदनीय है।' उमा भारती ने आगे लिखा- 'अवैध घुसपैठियों को अपने देश से निकालने का हर देश को अधिकार है। हमने भी निकाले हैं लेकिन अशिष्ट और असभ्य बर्ताव तो फांसी की सजा प्राप्त किए हुए अपराधी के साथ भी नहीं होता। दुनिया के सबसे रईस एलन मस्क का बर्ताव उनकी दिमागी गरीबी एवं संस्कारों की फूहड़ता दर्शाता है। इससे पांच दिन पहले भी उमाभारती ने भारतीयों को हथकड़ी लगाकर भेजने की निंदा की थी। उन्होंने कहा था कि हम जब बंग्लादेश एवं रोहिंग्याई घुसपैठियों को बाहर निकालने की कोशिश करते हैं तो हमारे सारे विपक्षी दल एक होकर हमारी सरकार का विरोध करते हैं।

दिल्ली में बारिश, मप्र तक आएगी 'नमी'

भोपाल/नईदिल्ली, एजेंसी

उत्तर भारत में फरवरी के अंतिम दिनों में एक बार फिर ठंड ने अपनी पकड़ बनाने की कोशिश की है। इसका असर मप्र तक आ सकता है। इस बदलाव के लिए मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से तापमान में गिरावट आ रही है। मौसम में परिवर्तन उत्तर भारत के कई हिस्सों में विशेष रूप से महसूस हो रहा है। यूपी और दिल्ली में हल्की बारिश के साथ तेज हवाओं का भी दौर रहा। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में अगले कुछ दिनों में हल्की बर्फबारी की संभावना जताई जा रही है, जिससे इन क्षेत्रों में तापमान और भी गिर सकता है। इधर मप्र में दिन में तीखी धूप व गर्मी है लेकिन सुबह व शाम के वक्त हल्की ठंडक महसूस होती है।

नकल नहीं करने दी तो चली गोलियां

पटना। बिहार के सासाराम में एक परीक्षा केंद्र में आंसर शीट देखकर नकल नहीं करने देने पर छात्रों के दो गुटों में मारपीट और फायरिंग हो गई. इस दौरान गोली लगने से एक 16 साल के छात्र की मौत हो गई. विवाद में शामिल सभी छात्र 10वीं की परीक्षा दे रहे थे. पुलिस ने हथियार के साथ एक नाबालिग लड़के को पकड़ा है. घटना धौडाढ थाना क्षेत्र के ताराचंडी के पास की है जहां 10वीं की परीक्षा चल रही थी. वहीं एक अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल है.

मेट्रो एंकर | चिकित्सकों ने रक्षा मंत्रालय के वैज्ञानिक की तीन बार ट्रांसप्लांट सर्जरी की

किसी को एक नसीब नहीं और एक व्यक्ति के भीतर पांच किडनी!

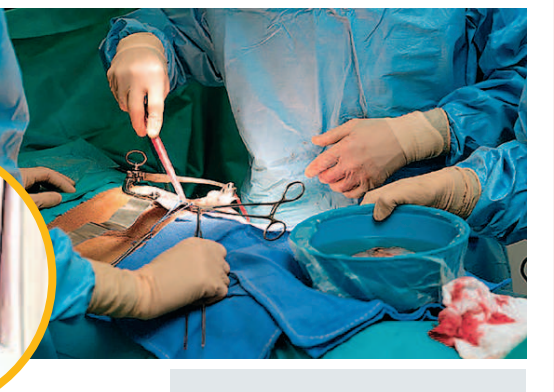

नईदिल्ली, एजेंसी

एक आदमी के भीतर पांच किडनी की बात पर यकीन मुश्किल होता है। क्योंकि कई बार लोग एक अदद किडनी के लिये परेशान रहते हैं। मगर एक मामले मे तो यह सच ही है कि रक्षा मंत्रालय में काम करने वाले 47 साल के वैज्ञानिक देवेंद्र बरलेवार ने तीसरी बार किडनी ट्रांसप्लांट करवाया है। यह एक दुर्लभ और सफल ऑपरेशन था। अब उनके शरीर में पांच किडनी हैं, जिनमें से सिर्फ एक काम करती है। बरलेवार को तीसरी किडनी एक ब्रेन-डेड किसान के परिवार की मंजूरी के बाद मिली, जिन्होंने अंगदान का फैसला किया था। यह मामला दुर्लभ इसलिए है क्योंकि बरलेवार के पास अब पांच किडनी हैं जिनमें से तीन दान की हुई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस सर्जरी में कई जटिलताएं भी थीं, तीसरा ट्रांसप्लांट तो दुर्लभ है क्योंकि जीवन में तीन बार मैचिंग डोनर मिलना लगभग नामुमकिन सा होता है।फिर फरीदाबाद के अमृता अस्पताल के डॉक्टरों के सामने नई किडनी के लिए जगह बनाने की भी चुनौती थी। इस मामले में डॉक्टरों का कहना है कि तीसरी किडनी को दाईं ओर, मौजूदा और पहले से ट्रांसप्लांट की गई किडनी के बीच रखा गया। बरलेवार लंबे समय से क्रोनिक किडनी डिजीज से जूझ रहे हैं और उन्हें लगातार डायलिसिस की जरूरत पड़ती थी। उनका ट्रांसप्लांट का सफर 2010 में शुरू हुआ। उनकी पहली किडनी उनकी मां ने दान की थी। यह लगभग एक साल तक चली, फिर दोबारा डायलिसिस की जरूरत पढ़ने लगी। दूसरा ट्रांसप्लांट 2012 में हुआ। यह किडनी एक रिश्तेदार ने दान की। 2022 में फिर बरलेवार को कोविड हुआ। इसके कारण उन्हें फिर से डायलिसिस करवाना पड़ा। इस बार, कोई जीवित डोनर उपलब्ध नहीं था। वैज्ञानिक ने 2023 में एक मृत डोनर से अंग प्राप्त करने के लिए पंजीकरण कराया तीसरी सर्जरी भी सफल रही। ब्रेन-डेड डोनर का ब्लड ग्रुप मेल खाता था। चार घंटे की प्रक्रिया के बाद किडनी ने काम करना शुरू कर दिया और पेशाब बनने लगा। डॉक्टर का कहना है कि सर्जरी के बाद मरीज को डायलिसिस की जरूरत नहीं पड़ी है। हालांकि टीम ने बरलेवार पर नजर रखी ताकि शरीर द्वारा अंग को अस्वीकार करने या सर्जिकल जटिलताओं जैसे रक्तस्राव के किसी भी संकेत का पता लगाया जा सके। 10 दिनों के बाद अस्पताल ने बरलेवार को छुट्टी दे दी।

स्वीकार नहीं करते हैं अंग

दरअसल, किसी व्यक्ति में लंबे समय तक क्रोनिक किडनी डिजीज और पिछले असफल ट्रांसप्लांट से मरीज के लिए अंग अस्वीकृति का खतरा बढ़ जाता है। इस प्रक्रिया में संक्रमण के जोखिम को प्रबंधित करते हुए अस्वीकृति को रोकने के लिए सटीक इम्यूनोसप्रेसिव उपचार की आवश्यकता होती है। चार मौजूदा किडनी की उपस्थिति ने पांचवें अंग के स्थान को जटिल बना दिया था।

टोल प्लाजा पर कर्मचारियों से मारपीट के बाद गोली चलाने वालों की पुलिस से मुठभेड़

भिंड, एजेंसी

ऊमरी टोल प्लाजा पर कर्मचारियों से मारपीट और गोली चलाने वाले आरोपियों की आज सुबह पुलिस से मुठभेड़ हो गई। ये मुठभेड़ सिकाहाटा और बिलाव के बीच बीहड़ में सुबह करीब पांच बजे हुई। इसमें दो आरोपियों के पैर में गोली लगी है, दोनों को इलाज के लिए पुलिस अस्पताल लेकर पहुंची है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि ऊमरी टोल प्लाजा पर तीन बाइक से आए नौ बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस घटना में टोल प्लाजा के दो कर्मचारी रमेश यादव व बबलू पंडित घायल हो गए थे। एक कर्मचारी के पैर में गोली लगी है। जबकि दूसरा गंभीर घायल हुआ। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे के आधार पर आरोपियों की पहचान ने की। इस मामले में अनुज राजावत, उसका साथी भोला गुर्जर और गजेंद्र भदौरिया को पकड़ लिया गया है।

बदहाल सड़कें

भोपाल। गोविंदपुरा विधानसभा के अयोध्या नगर में सड़कें हुई खराब।

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट का विस्तार जारी, एलिवेटेड कॉरिडोर पर ही रहेगा ट्रैक

मंडीदीप तक दौड़ेगी ब्राउन मेट्रो लाइन, तीसरे चरण का काम शुरू

भोपाल से इंडस्ट्रियल एरिया मंडीदीप प्रतिदिन जाने वाले वर्कर्स को होगा ज्यादा फायदा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट का विस्तार किया जा रहा है। एम्स से करोद के बीच ओरेंज लाइन पर काम चल रहा है, जबकि भदभदा से रत्नागिरी तिराहा तक ब्ल्यू लाइन के लिए एजेंसियां तय कर दी गई हैं। अब तीसरे चरण में ब्राउन लाइन हबीबगंज नाका से मंडीदीप के बीच सर्वे शुरू किया गया है। इसमें कुल 12 स्टेशन होंगे। ये शहर को मंडीदीप से रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। रायसेन जिला भी मंडीदीप के माध्यम से भोपाल से जुड़ जाएगा। इससे नर्मदापुरम क्षेत्र के एक नए औद्योगिक कॉरिडोर के तौर पर विकसित होने की उम्मीद बनेगी।

मेट्रो रेल कारपोरेशन के एक अधिकारी ने बताया कि मेट्रो रेल कारपोरेशन नेशनल हाइवे से इस नई लाइन के लिए चर्चा कर रहा है। बीयू से मिसरोद तक साढ़े पांच किमी लंबे एलिवेटेड लेन को ही इस तरह बनाया जाएगा कि इसपर ही मेट्रो की लाइन भी आ जाएगी। इससे जमीन पर अतिरिक्त निर्माण नहीं करना होगा। एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए इस साल काम शुरू कराने की योजना है।

थ्री टियर होगा यातायात

मेट्रो शहर के लिए अत्याधुनिक पब्लिक ट्रांसपोर्ट का मॉडल है। इसका लगातार विस्तार किया जा रहा है। सभी लाइनों को पूरा करने की प्लानिंग की जा रही है। मेट्रो की ब्राउन लाइन हबीबगंज नाका यानी वीर सावरकर ब्रिज के पास से शुरू होकर मिसरोद होते हुए मंडीदीप की ओर जाएगी। इसमें एम्प्री, बीयू, बाग सेवनियां बस स्टॉप, आशिमा मॉल, केपिटल मॉल, श्रीराम कॉलोनी, हरिगंगा नगर और फिर मंडीदीप रहेंगे। मौजूदा नर्मदापुरम रोड पर ही ये लाइन होगी। एम्स से डीआरएम जा रहे प्रायोरिटी कॉरिडोर से जुड़ेगी।

शहर में अभी यहां मेट्रो

- अभी मेट्रो की एम्स से करोद के बीच करीब 16 किमी की लाइन में से 6.22 किमी का काम लगभग पूरा है। जुलाई 2025 से इसमें कमर्शियल रन शुरू होगा।
- जिंसी से करोद के बीच पहली लाइन के दूसरे भाग का काम करने जमीनी सर्वे किया जा रहा है। 2027 तक ये तैयार होगी।
- भदभदा से रत्नागिरी तक करीब 13 किमी लंबाई में लाइन के लिए एजेंसी तय कर दी है। जमीनी काम इस साल शुरू करने की उम्मीद है।

15 दिन में गणेश मंदिर आरओबी पार करेगी मेट्रो

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत तय प्रायोरिटी कॉरिडोर में रानी कमलापति से एम्स तक करीब दो किमी में आपको अगले पंद्रह दिन बाद मेट्रो दौड़ती नजर आ सकती है। यहां इसका ट्रायल बाकी है। रानी कमलापति से एम्स तक ट्रैक समेत अन्य काम हो गए हैं। स्टेशन पर भी जरूरी पटरियों का काम भी हो गया। जुलाई तक कमर्शियल रन शुरू करना है, इसलिए यहां करीब 1000 किमी तक ट्रेन को चलाना होगा।

ऋषिनगर के रहवासियों ने मांगे पक्के मकान, महापौर को दिया ज्ञापन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में चार इमली इलाके के पास बसी ऋषि नगर बस्ती के निवासियों का सब्र अब जवाब देने लगा है। यहां के निवासियों ने ऋषि नगर बस्ती को %हाउसिंग फॉर ऑल% योजना के तहत पक्के मकान प्रदान करने की मांग तेज कर दी है। इस संबंध में यहां के निवासियों ने वार्ड पार्षद योगेंद्र गुडडू चौहान के साथ महापौर मालती राय को ज्ञापन सौंपा। रहवासियों ने मांग की है कि बस्तीवासियों को स्थायी और सुरक्षित आवास दिलाने की कार्रवाई की जाए। पार्षद चौहान का कहना है कि ऋषि नगर के निवासी लंबे समय से कई समस्याओं से जूझ रहे हैं, यदि इसी जमीन पर इन्हें पक्के आवास मिल जाएंगे तो एक बडी दिक्कत हल हो जाएगी।

परिषद की बैठक बुलाने की मांग

उधर नगर निगम परिषद की बैठक नहीं बुलाए जाने से फिर कांग्रेस पार्षद नाराज हैं। पिछली बैठक 13 दिसंबर को आहूत की गई थी। जबकि अगली परिषद बैठक 13 फरवरी को बुलाई जाना प्रस्तावित थी। लेकिन इस मामले में निगम चुप्पी ओढे हुए हैं। नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जक़ी ने इस मामले में निगम आयुक्त को पत्र लिखकर उन्हें धारा 18 तथा 23-क के तहत परिषद बैठक बुलाने व इसका एजेंडा जारी करने का अनुरोध किया है।

'हर हर शंकर घर-घर शंकर' दूसरी धुनी 22 फरवरी को

हिरदाराम नगर. पूर्व ज्योति सेवा संस्था शिव महापुराण कथा वाचक मुकेशजी के सानिध्य में हर-हर शंकर घर-घर शंकर शिव नाम संकीर्तन कर रही है। दूसरी धुनी 22 फरवरी को झूलेलाल मंदिर के कोडोमल हाल में शाम 6 से 8 तक लगाई जाएगी। संस्था के सेवादारी महेश खटवानी ने बताया कि आयोजन अजीत मेहरचंदानी द्वारा किया जाएगा, जिसमें 6 से 8 तक धुनी, सत्संग और प्रवचन होंगे। आरती और प्रसादी वितरण होगा। घर-घर शंकर, हर-हर शंकर शिव नाम संकीर्तन सेवा भोले के दरबार द्वारा निःशुल्क की जा रही है। वहीं, बजरंग सेना समिति सचिव विष्णु नाथानी के जन्मदिन पर 108 नामों की आहुति का जाप करेगी। समिति अध्यक्ष कमलेश देवानी ने बताया कि 22 फरवरी को शिव नाम का जाप किया जाएगा। समिति अर्चक पुरोहित राजकुमार गर्ग के सानिध्य में डॉ. भंभानी रोड स्थित भारतीय सिंधु सभा हाल में जाप किया गया।

शिक्षक को विद्यार्थियों और अभिभावकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना होगा: प्रो. त्रिपाठी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर्स के लिए 12 दिवसीय विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एनआईटीटीटीआर भोपाल के डायरेक्टर प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षकों को विद्यार्थियों के लिए संवेदनशील होना चाहिए। केवल शिक्षक ही विद्यार्थियों का मूल्यांकन नहीं बल्कि समाज भी शिक्षकों का मूल्यांकन करता है। स्कूल स्तर का विद्यार्थियों अपने शिक्षकों पर अपने माता पिता से ज्यादा ट्रस्ट करता है, लेकिन ऐसा क्या हो जाता है की कॉलेज आते-आते यह विश्वास कुछ कम हो जाता है शिक्षक को विद्यार्थियों और अभिभावकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना होगा। प्रो. त्रिपाठी ने कई रोचक उदाहरण देते हुए टीचर्स से अपील की वे विद्यार्थियों की अहर्ता निर्माण के साथ साथ क्षमता निर्माण पर भी फोकस करें एवं स्टूडेंट को व्यवसाय युक्त शिक्षा के लिए प्रेरित करें। इससे रोजगार की जगह विद्यार्थी पूरे विश्वास के साथ व्यवसाय की और कदम बड़ा सकेंगे। उच्च शिक्षा के तेजी से बदलते परिदृश्य और एनईपी-2020 के अनुरूप परिणाम-आधारित शिक्षा को अपनाने के लिए शिक्षकों को लगातार व्यावसायिक विकास और उभरती शैक्षिक रणनीतियों से अपडेट रहना आवश्यक है। ओएसडी हायर एजुकेशन डॉ. आजाद अहमद मंसूरी ने निटर भोपाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को नए दृष्टिकोण से सोचने और विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में मदद करेंगे। इस अवसर पर निटर भोपाल के डॉ. बशीरुल्ला शेख व डॉ. हुसैन जीवाखान उपस्थित थे।

लाइफ लाइन स्कूल की अवॉर्ड सेरेमनी में बच्चे पुरस्कृत

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

लाइफ लाइन स्कूल का अवॉर्ड सेरेमनी गुरूवार को हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरूआत कमलेश रायचंदानी, समाजसेवी महेश खटवानी और कैलाश शर्मा अध्यक्ष विजय नगर ने परंपरागत तरीके से की। स्कूल संचालिका किरण वाधवानी ने स्कूल की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। बच्चों ने विभिन्न प्रस्तुतियां दीं। सालभर गतिविधियों में हिस्सा लेने वाले बच्चों को शील्ड प्रदान की गई। अटेंटिव पेरेंट्स अटेंटिव स्टूडेंट्स , हाइएस्ट अटेंडेंस अवार्ड, फायर लेस कुकिंग अवॉर्ड, रंगोली सजा , दीपक सजाओ, रखी प्रतियोगिता साइंस एग्जीबिशन ऑल राउंडर स्टूडेंट्स आदि के अवॉर्ड दिये गएज लास्ट एयर बोर्ड एग्जाम में आवाल आने वाले साधना कुशवाह, निकिता अहिरवार, बिराज मेहरा को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन कमल भंडारी और कमलेश रायचंदानी ने शील्ड देकर सम्मानित किया। बेस्ट टीचर अवार्ड प्रियंका मालवीय को दिया गया। कार्यक्रम का संचालन साक्षी प्रियानी ने तथा आभार प्रदर्शन नैना वाधवानी ने ।

मेट्रो एंकर सिंधु नव जागरण समिति की कार्य समिति का एक साल कार्यकाल बढ़ा

राम पारदासानी अध्यक्ष, नरेश चोटरानी महासचिव की टीम करती रहेगी काम

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधु नव जागरण समिति के पदाधिकारियों की बैठक समिति अध्यक्ष राम पारदासानी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें संरक्षक आसनदास वाधवानी व माधु चांदवानी मौजूदा पदाधिकारियों का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ाए जाने का फैसला आम राय से लिया। राम पारदासानी अध्यक्ष, नरेश चोटरानी महासचिव, मुख्य सलाहाकार घनश्याम लालवानी, उपाध्यक्ष महेश खटवानी, मुरली गुरबानी, हरीश वलेचा, कोषाध्यक्ष हीरो आडवाणी, सचिव दिलीप दीनानी, सहसचिव मनोहर सतानी, सामाजिक सचिव राम लेखवानी, सह कोषाध्यक्ष इन्द्र जनयानी, आडिटर अनिल टेकचंदानी, प्रवक्ता महेश दादलानी, सलाहाकार कमलेश छुगानी व कन्हैयालाल नागदेव को बनाया गया इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य के रुप में दयाल सतानी, सीतल चेलानी, रमेश जनयानी, त्रिलोक दीपानी, भगवानदास चंदानी, डा हरिकिशन पेसवानी, नारायण लालवानी, रमेश हिमथानी, हरदास पेसवानी, महेश हासानी शामिल है।

समिति के सेवा कार्य : बता दें समिति द्वारा समाज क्षेत्र व धार्मिक क्षेत्र में सेवा कार्य करती है। समिति द्वारा सिंधी समाज का पावन पर्व

चैतीचांद विगत 35 वर्षो से धूमधाम से मनाती आ रही है। इस वर्ष भी 1 अप्रैल को सांस्कृतिक संध्या व सिंधी मेले के आयोजन किया गया है। समिति द्वारा गरीब, असहाय महिलाओ को कम्बल वितरण, गरीब बच्चो को स्कूल शिक्षण सामग्री का वितरण, मेडिकल कैम्प लगाना, राशन बांटना इसके अलावा समिति द्वारा स्वामी शांतिप्रकाश जी महाराज, स्वामी देवप्रकाश जी महाराज संत हिरदाराम साहिब जी का जन्मदिन व कई धार्मिक आयोजन किए जाते है।

21 किमी की बंसल पंख मैराथन दौड़ में लालवानी ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया

हिरदाराम नगर. बंसल ग्रुप द्वारा पंख मैराथन का आयोजन किया गया, जिसमें संत हिरदाराम नगर के गोविंद लालवानी ने 21 किलोमीटर में भाग लिया। लालवानी ने दो घंटे आठ मिनट में दौड़ पूरी की। बता दे दिसंबर 2024 में भी गोविंद लालवानी ने रन भोपाल रन में भी 21 किलोमीटर मैराथन में भाग लिया था, जिसमें 2 घण्टे 11 मिनट में दौड़ पूरी की थी। उम्र बढ़ने के साथ दौड़ में अपना रिकॉर्ड तोड़ने के लिए सिंधी मेला समिति द्वारा उनका सम्मान भी किया गया है। गोविंद लालवानी 58 वर्ष के हैं। उनका कहना है व्यक्ति मन से युवा रहेगा तो तन कभी बुजुर्ग नहीं होगा। मेरा लक्ष्य आगे भी अपना रिकॉर्ड तोड़ते रहना रहेगा।

कांग्रेस में संगठनात्मक बदलाव व नई कार्ययोजना पर काम शुरू

प्रदेश प्रभारी चौधरी ने पहली बैठक में दिए नए संकेत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र कांग्रेस के नवागत प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने अपने पहले भोपाल प्रवास के दौरान बैठक में संगठन को मजबूत करने, आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों, संगठनात्मक बदलाव और पार्टी की रणनीति को लेकर व्यापक चर्चा की। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने पार्टी को मजबूती देने और जनहित के मुद्दों को प्रभावी तरीके से उठाने के संकल्प को दोहराया। इससे पहले भोपाल पहुंचने पर कांग्रेस नेताओं ने चौधरी का जोरदार स्वागत किया। प्रदेशअध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, उप नेता हेमंत कटारे सहित अन्य वरिष्ठ नेता पूरे समय चौधरी के साथ रहे। इस मौके पर चौधरी ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने के लिए सभी को संगठित होकर काम करना होगा। उन्होंनें कहा कि अब आगामी कार्ययोजना बनाकर जल्द ही प्रदेशभर में भ्रमण कर पार्टी की मजबूती के लिए एक-एक कार्यकर्ता से मुलाकात कर संगठन की मजबूती पर चर्चा की जायेगी। पटवारी ने सभी से एकजुट होकर कांग्रेस की नीतियों को जनता तक पहुंचाने और सशक्त संगठन निर्माण की दिशा में कार्य करने की अपील की। बैठक को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी संबोधित किया। इस दौरान आगामी कार्यक्रमों, जनसंपर्क अभियानों, जनहित के मुद्दों को लेकर आंदोलनों, धरना-प्रदर्शनों और अन्य कार्यक्रमों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। तय किया गया कि कांग्रेस प्रदेश में हर स्तर पर मजबूती से संघर्ष करेगी और जनता की आवाज को बुलंद करेगी। बैठक के दौरान संविधान की उद्देशिका का वाचन कर उपस्थितजनों के लिए संविधान की रक्षा की शपथ दिलाई गई। बैठक के बाद चौधरी और पटवारी ने विधायकों, जिला/ शहर कांग्रेस अध्यक्षों, मोर्चा संगठनों, विभाग और प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्षों के साथ पृथक से संगठनात्मक चर्चा की।

मंत्री कृष्णा गौर को बनाया उप समिति का अध्यक्ष

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मंत्री कृष्णा गौर को मंत्री मंडलीय उप समिति का अध्यक्ष बनाया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने गुरुवार को आदेश जारी किए। उक्त समिति के सामने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के लंबित वार्षिक प्रतिवेदनों को रखा जाएगा, जो समीक्षा करेगी। इसके बाद लंबित प्रतिवेदनों को विधानसभा के पटल पर रखा जाएगा। उप समिति में राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल, राज्यमंत्री लखन पटेल, राज्य मंत्री नारायण पंवार और राज्यमंत्री शिवाजी पटेल को सदस्य बनाया है।

जीआईएस में एसीएस व पीएस देंगे अपने विभागों का प्रेजेंटेशन

विभागीय मंत्री भी रहेंगे, सीएस ने तैयारी की समीक्षा की

भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में विभागों के अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव अपने विभागों को लेकर निवेशकों के सामने प्रजेंटेशन देंगे। बताएंगे कि मप्र में निवेश करने पर उनके विभाग द्वारा किस तरह मदद की जाएगी। यह भी जानकारी दी जाएगी कि सरकार ने हाल के दिनों में निवेशकों के लिए नीतियों में कितने बदलाव किए और वे बदलाव किस स्तर तक फायदेमंद होंगे। इसके अलावा भी सेक्टरवार जानकारी दी जाएगी। जब एसीएस व सीएस निवेशकों से संवाद करेंगे, तब विभागीय मंत्री भी मौजूद रहेंगे। वे भी जरुरी होने पर निवेशकों से रूबरू होंगे। सीएस अनुराग जैन ने इन तमाम तैयारियों की गुरुवार समीक्षा की और कहा कि किसी भी स्तर पर कमियां नहीं नहीं रहनी चाहिए। अब सीएम डॉ. यादव की अध्यक्षता में जीआईएस की तैयारियों को लेकर उच्च स्तरीय बैठक होनी है, जिसमें सीएस, एसीएस व पीएस शामिल होंगे। इसके पहले सीएस ने बैठक ली और सभी को बिंदुवार तैयारियों को अंतिम रूप देने संबंधी निर्देश दिए।

माशिमं की परीक्षाएं 25 से होंगी शुरू, आज से शैक्षणिक सामग्री का वितरण हुआ शुरू

मॉडल स्कूल केंद्र, स्थानीय थाने में सुरक्षित रखी जाएंगी सामग्री

भोपाल। आगामी 25 फरवरी से शुरू होने माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं-बारहवीं की मुख्य परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्रो को शैक्षणिक सामग्री का वितरण शुक्रवार से शुरू हो गया है। राजधानी के मॉडल स्कूल को शैक्षणिक सामग्री वितरण केंद्र बनाया गया है। यहां सुबह 9 बजे से ही शिक्षक पहुंचना शुरू हो गए थे। पहले दिन करीब 40 परीक्षा केंद्रो को उत्तरपुस्तिकाओं सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया है। कड़ी सुरक्षा के बीच शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया जा रहा है। फिलहाल यह सामग्री स्थानीय थानों में सुरक्षित रखी जाएगी, जिसे परीक्षा के दिन निकाला जा सकेगा।

16.60 लाख स्टूडेंट शामिल होंगे: उल्लेखनीय है कि इन परीक्षाओं में करीब 16.60 लाख स्टूडेंट शामिल हो रहे हैं। इसमें 10वीं में करीब 9.53 लाख और 12वीं में 7.06 लाख परीक्षार्थी शामिल होंगे। बोर्ड ने 3887 केंद्र बनाए हैं। इनमें करीब 500 से अधिक संवेदनशील और अतिसंवेदनशील केन्द्र हैं।

सायबर पुलिस औ मंडल बनाए हुए है नजर: पिछले पेपर लीक मामलों को देखते हुए इस बार माशिमं अलर्ट मोड में है। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर भ्रामकता फैला रहे कथित लोगों के खिलाफ कार्यवाही के लिए भी बोर्ड सायबर पुलिस को पत्र लिखा है। माशिमं ने टेलीग्राम चैनल से पेपर उपलब्ध कराने का वादा कर भोले विद्यार्थियों को ठगने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्यवाही के लिए सायबर क्राइम कार्यालय को पत्र लिखा है। सायबर पुलिस ने इस संबंध में ठगों के खिलाफ जांच कार्यवाही प्रारंभ करते हुए विद्यार्थियों से ऐसे लोगों के बहकावे में ना आने की अपील की है।

संपादकीय

पानी की यह भी कहानी

प्रयागराज महाकुंभ अब अपने अंतिम चरण में दाखिल हो गया है। इस आयोजन को लेकर जितना प्रचार-प्रसार किया गया, उत्तम व्यवस्था के जैसे दावे किए गए, जितनी भारी रकम खर्च करने के ब्योरे पेश हुआ, अब लगता है कि वह सब प्रचार का अतिरेक ज्यादा था। क्योंकि अव्यवस्थाएं ही अधिक दर्ज होती रहीं। इसमें लोगों के आने-जाने, रुकने-ठहरने, नहाने वगैरह के दौरान दिक्कतें उभरीं, लोगों को घंटों गाड़ियों में कैद होकर सड़कों पर समय गुजारना पड़ा, रेलों में ठसाठस सफर करना पड़ा, फिर भगदड़ों में जो जानें गईं या पंडालों में आग लगीं, उन सबसे अलग भी देखें तो चिंता की बात यह है कि संगम क्षेत्र में गंगा और यमुना का पानी नहाने लायक था ही नहीं। यहां तक कि उससे त्वचा रोग और दूसरी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होने के खतरे बताए जा रहे हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण को अपनी रपट में बताया है कि संगम क्षेत्र में अलग अलग लिए गए पानी के नमूनों में गुणवत्ता खराब दर्ज हुई है इस तथ्य को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय हरित अधिकरण यानी एनजीटी ने उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से एक हफ्ते के भीतर रपट तलब की है। हालांकि राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने महाकुंभ के स्नान शुरू होने से पहले ही निर्देश दिया था कि गंगा और यमुना के पानी की गुणवत्ता लोगों के नहाने लायक सुनिश्चित होनी चाहिए। मगर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ताजा रपट से तो यही जाहिर होता है कि एनजीटी के निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया गया। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का कहना है कि संगम क्षेत्र में बड़ी संख्या में स्नान करने की वजह से 'फेकल कोलीफार्म' की मात्रा बढ़ गई। मगर यह दलील किसी के गले नहीं उतर रही। महाकुंभ से पहले संगम क्षेत्र में गंगा और यमुना का पानी स्वच्छ करने के खूब दावे किए गए। सरकार खुद बता रही थी कि महाकुंभ में चालीस करोड़ से अधिक लोगों के पहुंचने की संभावना है और सौ करोड़ लोगों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं की गई हैं। फिर, कैसे संगम क्षेत्र में पानी की सफाई को लेकर ऐसी लापरवाही बरती गई कि लोगों में बीमारी फैलने की आशंका जताई जाने लगी है। यह छिपी बात नहीं है कि तीर्थ स्थलों पर पूजा सामग्री आदि की वजह से तो गंदगी फैलती है, मगर वह वैसी खतरनाक नहीं होती, जैसी 'फेकल कोलीफार्म' के कारण हो सकती है। सब जानते हैं कि शहरों की गंदगी बिना शोधन के नदियों में गिरा दी जाती है। महाकुंभ में ऐसे गंदे नालों में शोधन यंत्र लगाने की जरूरत थी। पर शायद पर्याप्त मात्रा में नहीं लगाए जा सके। ऐसे पावन पर्वों पर बहुत सारे लोग स्नान के साथ आचमन भी करते हैं, नदी जल पीते हैं। इसलिए ज्यादा चिंता की बात है कि न जाने कितने लोगों को संक्रमण हो सकता है। जाहिर-सी बात है कि जिस तरह उत्तर प्रदेश सरकार महाकुंभ के आयोजन में रह गई खामियों को किसी न किसी तरह ढंकने-छिपाने का प्रयास कर रही है, संगम क्षेत्र में फैले जल-प्रदूषण के तथ्य को भी छिपाने का प्रयास करेगी। हालांकि यह माना जा सकता है कि जब आयोजन बहुत बडा हो और इसमें शामिल होने वालों की संख्या बेहिसाब, तो कुछ प्रबंध टूट जाते हैं और अव्यवस्था भी फैलने का अंदेशा रहता है। पहले के आयोजनों में ही नहीं बल्कि देश में कई बार बडे आयोजनों में ऐसी परिस्थिति बनती रही है। मगर पानी को लेकर जो बातें सामने आ रही हैं उससे अव्यवस्था की एक और चिंताजनक परत उघड़ गई है।

प्राणी के जीवन में सन्तोष दरिद्रता का दूसरा नाम है।
- प्रेमचन्द

जर्मनी में दक्षिणपंथियों के निशाने पर आप्रवासी

■ पुष्परंजन

धुर दक्षिणपंथी, अल्टरनेटिव फ्यूर डाएचलांड (एएफडी) का डंका जर्मन चुनाव में बज रहा है। संसदीय चुनाव 23 फरवरी, 2025 को है। जर्मन संसद 'बुंडेस्टाग' के 630 सदस्यों के लिए संघीय चुनाव, 28 सितंबर, 2024 को निर्धारित था, जो गठबंधन के टूटने के कारण आगे बढ़ा दिया गया। 12 साल पहले, 6 फ़रवरी, 2013 को अल्टरनेटिव फ्यूर डाएचलांड (एएफडी) की बुनियाद रखी गई थी। जर्मनी की सबसे नई-नवेली पार्टी, पुरानी पार्टियों की लकीर छोटी कर देगी, ऐसा देखकर कछुए और खरगोश की चाल समझने वाले चुनावी पंडितों को भी हैरानी हो रही है। क्या उसकी वजह आप्रवासन विरोधी वह माहौल है, जिसे बनाने में 'एएफडी' को कामयाबी हासिल हो रही है?'एएफडी' ने 2014 में जर्मनी में यूरोपीय संसद में प्रतिनिधित्व के वास्ते चुनाव में यूरोपीय कंजर्वेटिव और रिफॉर्मिस्ट (ईसीआर) के सदस्य के रूप में सात सीटें जीतीं। अक्तूबर, 2017 तक 16 जर्मन राज्य संसदों (विधानसभाओं) में से 14 में प्रतिनिधित्व हासिल करने के बाद, 'एएफडी' ने 2017 के जर्मन संघीय चुनाव में 94 सीटें जीती, और देश में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई। या यों कहें, सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी भी बन गई। यह पार्टी जर्मनी के पूर्वी क्षेत्रों में सबसे मजबूत है, विशेष रूप से सैक्सनी और थुरिंगिया के राज्यों में। ये वो इलाके हैं, जहां आप्रवासन को नापसंद किया जाता है, और यहां के ज्यादातर लोग बाहर से आकर बसने वालों का विरोध करते हैं। खुसूसन, मुस्लिम समुदाय के लोग इनके निशाने पर होते हैं।

सितंबर, 2012 में, अलेक्जेंडर गौलैंड, बर्नड लक, और पत्रकार कोनराड एडम ने यूरोज़ोन संकट से संबंधित जर्मन संघीय नीतियों का विरोध करने, और ग़रीबी में ग़र्क़ होते जा रहे दक्षिणी यूरोपीय देशों के लिए जर्मन समर्थित बेलआउट का सामना करने के लिए राजनीतिक समूह, 'इलेक्टोरल अल्टरनेटिव' की स्थापना की थी। उनके घोषणापत्र का कई अर्थशास्त्रियों, पत्रकारों, व व्यापार जगत के नेताओं ने समर्थन किया, और कहा कि 'यूरोज़ोन', एक मुद्रा क्षेत्र के रूप में 'अनुपयुक्त' साबित हुआ है। यानी, ये लोग पुरानी जर्मन करेंसी, 'डायच मार्क' की वापसी चाहते हैं। 'मार्क', 1948 से लेकर 2002 तक जर्मनी में चलन में दिसंबर में एक सऊदी व्यक्ति द्वारा पूर्वी जर्मन शहर, मैगडेबर्ग के क्रिसमस मार्केट में कार घुसाने के दौरान कई लोग मारे गए। धुर दक्षिणपंथियों ने इसे मुद्दा बना लिया। लोग इस घटना को लेकर बाहरी लोगों को कोस रहे थे। एक 13 वर्षीय सीरियाई लड़का शहर के दूसरी तरफ़ एक लिफ्ट में था, जब एक वयस्क पड़ोसी ने उसका गला पकड़ लिया और बोला, 'यह हमला तुम जैसे लोगों की वजह से हुआ।' वह बालक शरणार्थी के रूप में जर्मनी आया था।

इस घटना के प्रकारांतर 22 जनवरी, 2025 को बावेरियन शहर अस्चाफेनबर्ग के एक पार्क में बच्चों को निशाना बनाकर चाकू से हमला करके दो लोगों की हत्या करने के संदिग्ध एक अफ़गान शरणार्थी की गिरफ़्तारी ने आप्रवासन नीति को और भी सख़्त करने की मांग की है। इन दोनों घटनाओं ने जर्मनी के 23 फ़रवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनाव प्रचार अभियान में बारूद भर दिया है। शीर्ष राजनेताओं को देश में प्रवेश करने वाले शरणार्थियों की संख्या में भारी कमी लाने की कसम खाने के लिए बाध्य कर दिया। एएफडी, 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है' जैसा माहौल बना चुकी है। चुनांचे, एएफडी के चरमपंथी होने का संदेह व्यक्त किया जाने लगा है। गृह मंत्रालय ने इसकी जांच जर्मनी की घरेलू खुफिया एजेंसी के हवाले कर दी है। लेकिन, अब तो चुनाव सामने है। ये चरमपंथी साबित हो भी गए, तो सत्ता छोड़ेंगे, इसमें शक ही है। पहले के सर्वेक्षणों में एएफडी को 20 फीसद से ज्यादा लोगों का समर्थन मिलता दिख रहा था, मगर अब यह बढ़कर 27 प्रतिशत हो लाइपजिष यूनिवर्सिटी द्वारा कराए सर्वे के नतीजे बुधवार को जारी हुए। इसमें पाया गया, कि एएफडी का समर्थन करने वालों में 70.6 फीसद लोग पुरुष हैं। किसी भी जर्मन पार्टी के लिहाज से यह अनुपात सबसे अधिक है। पुरुषों का समर्थन दूसरे नंबर पर कारोबार समर्थक फ्री डेमोक्रैटिक पार्टी और वामपंथी द लिंके को भी हासिल है। इन दोनों के समर्थकों में 62 फीसदी पुरुष हैं। अर्थात, इस बार के जर्मन चुनाव में महिलाओं की दिलचस्पी घटी है। लेकिन, ग्रीन पार्टी अपवाद बनी है, जिसका समर्थन करने वालों में ज्यादातर महिलाएं हैं। लाइपजिष यूनिवर्सिटी द्वारा किये सर्वे के मुताबिक, ग्रीन पार्टी को सिर्फ 33.6 फीसदी पुरुषों का ही समर्थन हासिल है। बाकी का हिस्सा महिलाओं का है। एक बात तो है, जर्मनी के संसदीय चुनाव में आप्रवासियों का मुद्दा सिर चढ़कर बोल रहा है। आप्रवासन के सवाल पर ढिलाई बरतने का आरोप लगाकर प्रमुख विपक्षी दल सीडीयू/सीएसयू और साथ ही एएफडी ने अपनी ज़मीन उर्वर की है। चुनाव जैसे-जैसे पास आया, पार्टियों का रुख इस मामले में और ज्यादा सख्त होता गया। इससे 'एएफडी' का ग्राफ काफी तेज़ी से ऊपर गया है। कई भारतीय सोच रहे होंगे, इससे हमें क्या लेना-देना है? बिलकुल है लेना-देना। ट्रम्प ने जिस तरह से भारतीयों को अवैध घोषित कर भगाना शुरू किया है, उससे नस्लवादियों, और ख़ासकर जर्मन दक्षिणपंथियों का मनोबल ऊंचा हुआ है। भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमन्न ने 11 जनवरी को पुणे के एक कार्यक्रम में कहा था, कि जर्मनी अवैध प्रवास को कम करने की कोशिश कर रहा है, साथ ही अपनी बहुत उदार आव्रजन नीति की रक्षा भी कर रहा है। जर्मन राजदूत ने कहा, 'आपको कल्पना करनी होगी कि जर्मन आबादी के 30 प्रतिशत लोगों के एक गैर-जर्मन माता या पिता हैं। भारत बहुत पहले एक समझौते के ज़रिये इस बात के लिए बाध्य हो चुका है, कि जिन्हें जर्मन सरकार अवैध भारतीय प्रवासी घोषित करती है, उसे तत्काल वापस लेना होगा। पांच दिसंबर, 2022 को 'जर्मन-भारतीय प्रवासन और गतिशीलता समझौते' पर संघीय विदेश मंत्री एनालेना बारबॉक की भारत यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे। इस तरह के समझौते का दबाव मनमोहन सिंह के कालखंड में भी डाला गया था, जिसे तब टाल दिया गया। वर्तमान में दो लाख 60 हज़ार से अधिक भारतीय नागरिक जर्मनी में रह रहे हैं, जिनमें से अधिकांश के पास नियमित निवास परमिट है। इसके अलावा, 34,000 भारतीय जर्मनी में अध्ययन कर रहे हैं, जो विदेशी छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा समूह है। इस समय 5,000 से अधिक भारतीय नागरिक जर्मनी में अवैध रूप से रह रहे हैं। ट्रंप प्रशासन की हालिया कार्रवाई देखकर, उनकी सांसें थमी हुई हैं।

साभार

आज का इतिहास

- 1245 यातना और चोरी से जुर्म कबूल करने के बाद थॉमस, फिनलैंड के पहले ज्ञात बिशप, पोप मासूम चतुर्थ द्वारा किया गया था।
- 1437 स्कॉटलैंड के राजा जेम्स द्वू की हत्या पर्थ में असफल उसके चाचा और पूर्व सहयोगी वाल्टर स्टीवर्ट, अर्ल ऑफ एथल में की गई थी।
- 1543 इथियोपिया के सम्राट गैलावेदोस द्वारा नेतृत्व में, इथियोपिया और पुर्तगाली सैनिकों की संयुक्त सेना ने इमाम अहमद इब्न इब्राहिम अल-गाजी के नेतृत्व में एक मुस्लिम सेना को हराया।
- 1613 रूस में रोमानोव वंश का शासन स्थापित हुआ।
- 1791 संयुक्त राज्य ने पुर्तगाल के साथ राजनयिक संबंध खोले।
- 1804 कॉर्निश आविष्कारक रिचर्ड ट्रेविथिक द्वारा निर्मित, पहला स्व-चालित स्टीम लोकोमोटिव पहले वेल्स में चला।
- 1808 फ़िनिश युद्ध- रूस के सैनिकों ने युद्ध की घोषणा किये बिना फिनलैंड में सीमा पार की।
- 1824 कैलिफोर्निया में स्पैनिश उपस्थिति के खिलाफ 1824 का चमाश विद्रोह शुरू हुआ।
- 1828 मूल अमेरिकी भाषा में फ़र्स्टव्यूपेपर चेरोकी फीनिक्स का उद्घाटन अंक प्रकाशित किया गया था।
- 1842 अमेरिका में जॉन ग्रीनॉफ को सिलाई मशीन का पेटेंट अधिकार मिला।
- 1848 कम्युनिस्ट सिद्धांतकारों कार्ल मार्क्स और फ्रेडरिक एंगेल्स ने कम्युनिस्ट घोषणापत्र प्रकाशित किया, जो दुनिया के सबसे अधिक राजनीतिक क्षेत्रों में से एक बन गया।
- 1858 एडविन टी होम्स ने पहला इलेक्ट्रिक चोर अलार्म बनाया (बोस्टन, मास)।
- 1862 संघीय संविधान और राष्ट्रपति पद को स्थायी घोषित किया गया।
- 1878 अमेरिका के कनेक्टिकट में पहली टेलीफोन डायरेक्टरी जारी की गई।
- 1916 प्रथम विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी और फ़्रांस के बीच अत्यंत भयानक युद्ध आरंभ हुआ। यह लड़ाई वरडन युद्ध के नाम से प्रसिद्ध है।
- 1918 पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका की एकमात्र तोता प्रजाति कैरोलिना परकेट , विलुप्त हो गई सिनसिनाटी चिड़ियाघर में अंतिम रूप से कैद में मृत्यु हो गई।

निशाना

है मिला आघात !

-कृष्णेन्द्र राय

कर दिया किनारे ।
उठी ऐसी बात ।।
चले गए सदमे में ।
है मिला आघात ।।
आई अपनी बारी जब ।
लिया पल्ला झाड़ ।।
रहे भरते दंभ ।
हिलाना है पहाड़ ।।
पड़ गए अकेले ।
कस रहे सब तंज ।।
है होना स्वाभाविक ।
अंदर अंदर रंज ।।
है हुआ अन्याय ।
दिए पत्ता काट ।।
आगे से अब अपनी ।
हो गई है ठाट ।।

शिक्षा में स्मार्टफोन के प्रचलन से एकाग्रता एवं हेल्थ खतरे में

■ ललित गर्ग

शिक्षा में तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन के उपयोग और उसके घातक प्रभावों को लेकर दुनियाभर में हलचल है, बड़े शोध एवं अनुसंधान हो रहे हैं, जिनके निष्कर्षों एवं परिणाम को देखते हुए कड़े कदम भी उठाये जा रहे हैं। शोध एवं अध्ययनों के तथ्यों ने चौंकाया भी है एवं चिन्ता में भी डाला है। पाया गया कि जो छात्र अपने फोन के करीब रहकर पढ़ाई करते हैं, उन्हें ध्यान केंद्रित करने में बहुत मुश्किल होती है, भले ही वे इसका उपयोग न कर रहे हों। स्मार्टफोन के उपयोग से नींद की गुणवत्ता कम होने, तनाव बढ़ने, एकाग्रता बाधित होने, स्मृति लोप होने, अवांछित सामग्री का अधिक उपयोग करने, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ने जैसे खतरे उभरें हैं। इन बढ़ते खतरों को देखते हुए दुनियाभर में कम से कम 79 शिक्षा प्रणालियों ने स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। जिसे लेकर, कई देशों में बच्चों की शिक्षा और निजता पर इसके प्रभाव को लेकर बहस जारी है। 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' (यूनेस्को) की वैश्विक शिक्षा निगरानी (जीईएम) टीम के अनुसार, 60 शिक्षा प्रणालियों या वैश्विक स्तर पर पंजीकृत कुल शिक्षा प्रणालियों का 30 प्रतिशत ने विशेष कानूनों या नीतियों के माध्यम से 2023 के अंत तक स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत में अभी इस ओर कोई कदम नहीं उठाया गया है।

सर्वेक्षण के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि डिजिटल शिक्षा और स्मार्टफोन के इस्तेमाल में बच्चों की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। यह बदलाव शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा कर रहा है, लेकिन साथ ही इसके साथ कई चुनौतियाँ भी हैं, डिजिटल शिक्षा को संतुलित और सुरक्षित बनाना आने वाले समय में एक प्रमुख चुनौती है। डिजिटल शिक्षा के बढ़ते प्रभाव के साथ, यह आवश्यक हो गया है कि स्मार्टफोन और इंटरनेट का सही, संयमपूर्ण और सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित किया जाए ताकि बच्चों का विकास सही दिशा में एवं समग्रता से हो। निस्संदेह, शिक्षा के बाजारीकरण और नए शैक्षिक प्रयोगों में मोबाइल की अपेक्षाओं को महंगे स्कूलों ने स्टेटस सिंबल बना दिया है। लेकिन हालिया वैश्विक सर्वेक्षण बता रहे हैं कि पढ़ाई में अत्यधिक मोबाइल का प्रयोग विद्यार्थियों के लिये मानसिक व शारीरिक समस्याएं पैदा कर रहा है। सर्वविदित है कि विभिन्न ऑनलाइन शैक्षिक कार्यक्रमों के चलते छात्र-छात्राओं में मोबाइल फोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। तमाम पब्लिक स्कूलों ने ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल अनिवार्य तक बना दिया है। कमोबेश सरकारी स्कूलों में ऐसी बाध्यता नहीं है। लेकिन वैश्विक स्तर पर किए गए सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि स्मार्टफोन एक हद तक तो सीखने की प्रक्रिया में मददगार साबित हुआ है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। ज्यादा मोबाइल का इस्तेमाल करने से पढ़ाई में बाधा आती है, नैसर्गिक शैक्षणिक गुणवत्ता आहत होती है।

भारत में 21 राज्यों के ग्रामीण समुदायों में 6-16 वर्ष की आयु के स्कूली बच्चों के 6,229 अभिभावकों के बीच किए गए अखिल भारतीय सर्वेक्षण से पता चला कि अधिकतर बच्चे पढ़ाई के बजाय मनोरंजन एवं अश्लील सामग्री के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। सर्वेक्षण में कहा गया है कि जिन छात्रों के पास गैजेट्स हैं, उनमें से 56.6 प्रतिशत ने डिवाइस का इस्तेमाल मूवी डाउनलोड करने और देखने के लिए किया, जबकि 47.3 प्रतिशत ने उनका इस्तेमाल संगीत डाउनलोड करने और सुनने के लिए किया। सर्वेक्षण से पता चला है कि ग्रामीण भारत में 49.3 प्रतिशत छात्रों के पास स्मार्टफोन की पहुंच है, लेकिन उनमें से केवल 34 प्रतिशत ही पढ़ाई के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं।

वैश्विक स्तर पर, आज दुनिया भर में 6.378 बिलियन स्मार्टफोन उपयोगकर्ता हैं-जो कि कुल आबादी का लगभग 80.69 प्रतिशत है। इसमें दो मत नहीं कि एक समय महज बातचीत का जरिया माना जाने वाला मोबाइल फोन आज दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा करने वाला बेहद जरूरी उपकरण बन चुका है। खासकर कोरोना संकट के चलते स्कूल-कालेजों के बंद होने के बाद तो यह पढ़ाई का अनिवार्य हिस्सा बन गया।

आललाइन कक्षाओं के बढ़ते प्रचलन में लगने लगा था कि इसके बिना तो पढ़ाई संभव ही नहीं है। लेकिन नादान बच्चों के हाथ में मोबाइल बंदर के हाथ में उस्तरे जैसा ही साबित हुआ है। निश्चित तौर पर ये उनके भटकाव, गुमराह, दिग्भ्रमित और मानसिक विचलन का कारण भी बना है। इसी कारण कई देशों में स्कूलों में स्मार्टफोन पर बैन लगा दिया है, क्योंकि इन देशों का मानना है कि यह बच्चों की शिक्षा और उनकी गोपनीयता पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

अनेक देशों में हुए सर्वेक्षणों ने स्मार्टफोन के उपयोग से विद्यार्थियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता जतायी है। इनकी रिपोर्ट एवं चौंकाने वाले तथ्य भारत में शिक्षा के नीति-नियंताओं की आंख खोलने वाले हैं। यूनेस्को की टीम के मुताबिक बीते साल के अंत तक कुल पंजीकृत शिक्षा प्रणालियों में से चालीस फीसदी ने सख्त कानून या नीति बनाकर स्कूलों में छात्रों के स्मार्टफोन के प्रयोग पर रोक लगा दी है। दरअसल, आधुनिक शिक्षा के साथ आधुनिकीकरण एवं विकास की अपेक्षा को दर्शा कर तमाम पब्लिक स्कूलों में मोबाइल के उपयोग को अनिवार्य बना दिया गया। निस्संदेह, आधुनिक समय में स्मार्टफोन कई तरह से शिक्षा में मददगार है। लेकिन यहां प्रश्न इसके अनियंत्रित एवं अवांछित प्रयोग का है। साथ ही दुनिया में अनियंत्रित इंटरनेट पर परोसी जा रही अनुचित, अश्लील, अनुपयोगी सामग्री और बच्चों पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभावों पर भी दुनिया में विमर्श जारी है। मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग छात्रों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए बुरा है तथा इसके लगातार उपयोग से चिंता का स्तर बढ़ता है, आत्म-सम्मान कम होता है तथा अकेलेपन की भावना बढ़ती है। इसका अंधाधुंध व गलत उपयोग घातक भी हो सकता है। दरअसल, स्मार्टफोन में वयस्कों से जुड़े तमाम एप ऐसे भी हैं जो समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रहे हैं। उन्हें यौन कुंठित बना रहे हैं।

नर्मदा कॉलेज की जनभागीदारी समिति की बैठक संपन्न, विधायक-कलेक्टर भी रहे मौजूद

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, नर्मदा महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की बैठक गुरुवार को संपन्न हुई।

बैठक में महाविद्यालय के विकास एवं आवश्यक सुधारों पर महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की गई। इस बैठक में नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती हेमेश्वरी पटले, महाविद्यालय के प्राचार्य आर के.चौकसे, अरुण शर्मा सहित जनभागीदारी समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान महाविद्यालय में किए जाने वाले विभिन्न विकास कार्यों एवं आवश्यक मरम्मत कार्यों को संपादित करने हेतु विचार-विमर्श किया गया। प्रमुख बिंदुओं में खेल मैदान में नाले के पानी के फैलाव की समस्या का समाधान करने हेतु नगर पालिका से चर्चा कर निकासी व्यवस्था

सुनिश्चित करने, बाउंड्रीवॉल की ऊंचाई बढ़ाने के लिए कटीले तार लगाने तथा साहित्यिक अध्ययन केंद्र की स्थापना हेतु प्रस्तावों पर विचार किया गया।

इसके अलावा, महाविद्यालय में शोध कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए सीड मनी स्वीकृति, शैक्षणिक गतिविधियों के लिए आवश्यक बजट आवंटन, प्रशासनिक भवन के पुनर्निर्माण एवं मरम्मत, ऑडिटोरियम के सुधार कार्य तथा स्थायी सीढ़ी निर्माण पर निर्णय लिए गए। महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर कैटल गार्ड, पार्किंग व्यवस्था तथा बाउंड्रीवॉल की ऊंचाई बढ़ाने की आवश्यकता भी समिति द्वारा जाहिर की गई।

महाविद्यालय के सेनेटरी फिटिंग, नल-फिटिंग, पानी की टंकी की मरम्मत एवं कंप्यूटर उपकरण, प्रिंटर, सीसीटीवी कैमरों के वार्षिक रखरखाव हेतु आवश्यक बजट की स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही, महाविद्यालय की वेबसाइट निर्माण, महिला एवं पुरुष टॉयलेट के नवनिर्माण, विभागीय मरम्मत कार्यों एवं नाली निर्माण पर भी चर्चा की गई।

बैठक में एनसीसी, सांस्कृतिक भवन एवं विभिन्न विभागों में पेयजल व्यवस्था, मरम्मत कार्यों तथा खेल मैदानों एवं भवनों के बाहरी व्यक्तियों द्वारा उपयोग पर रोक लगाने से संबंधित मुद्दों पर विचार किया गया।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस योजना के तहत नए भवन निर्माण हेतु अनुपयोगी भवनों के डिस्मेंटलिंग का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी एवं जनभागीदारी समिति के सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर विधिक साक्षरता शिविर

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेश अनुसार एवं तहसील विधिक सेवा समिति एवं कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन के तत्वाधान में ग्राम पंचायत अंबानगर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर हुआ। उक्त कार्यक्रम अब्दुल अजहर अंसारी प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड अध्यक्षता में हुआ। शिविर की शुरुआत माँ सरस्वती के समीप दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पण कर हुई । कार्यक्रम में संविधान के मूलभूत अधिकार, धर्म, मूलवंश, जाति, जन्म स्थान के आधार पर विभेद का प्रतिशेध, मीडिएशन जागरूकता कार्यक्रम मानव तस्करी के बारे में ग्रामीणजनो को अवगत कराया। इसके अतिरिक्त बंधुआ मजदूरी, शिक्षा का अधिकार, नालसा वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक साक्षरता शिविर के बारे बताया गया ।

कार्यक्रम में शेरसिंह यादव ,राजेश सक्सेना, आकर्ष अग्रवाल ,भगत सिंह ठाकुर पंचायत सचिव, राजेंद्र सिंह दांगी सरपंच प्रतिनिधि, कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन से श्रीकांत यादव, अंकित शर्मा, संदीप चिदार एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे । शिविर के पश्चात ने ग्राम में स्थित माताजी के मंदिर में पौधारोपण किया।

साइबर अपराध,सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव और महिला सशक्तिकरण पर व्याख्यान आयोजित

सिवनीमालवा। शासकीय कन्या महाविद्यालय सिवनीमालवा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर प्राचार्य डॉ.उमेश कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी काजल रतन के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है। जिसके तीसरे दिन की शुरुआत प्रभात फेरी एवं योगाभ्यास से हुई। इसके बाद सौरभ धुर्वे राष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी एवं रोशनी राजपूत अंतराष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी ने स्वयं सेविकाओं को आत्मरक्षा के तरीके बताएं। ग्रामवासियों को जागरूक करने हेतु साइबर फ्रॉड पर केंद्रित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुति किया गया। इस अवसर पर संगीता यादव बीआरसी ने बताया कि महिला सशक्तिकरण का मुख्य उद्देश्य उन्हें पुरुषों के बराबर खड़ा होने में मदद करना है।पत्रकार राजा तिवारी ने सोशल मीडिया पर गोपनीयता,सोशल मीडिया पर निजी डेटा चोरी,सोशल मीडिया पर साइबर अपराधों जैसे-हैकिंग और फ़िशिंग आदि के खतरों से बचने की जानकारी सांझा की ।सभी अतिथियों द्वारा शिविर दर्पण का विमोचन किया गया। इस अवसर पर डॉ.रीमा नागवंशी,मनीषा साहू शिक्षक प्राथमिक शाला,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता इत्यादि उपस्थित रहीं।

गणना खत्म : गिद्धों की खोज में घोंसले भी मिले

संरक्षण का असर, इस बार वयस्क गिद्धों की संख्या दोगुनी मिली

तेन्दूखेड़ा. दोपहर मेट्रो

जिले में विलुप्त होने की कगार पर पहुंचे गिद्धों की वर्तमान में संख्या कितनी है और किन क्षेत्रों में अधिक है इसकी गणना और निगरानी के लिए वन अधिकारी कर्मचारियों का अमला तेन्दूखेड़ा उप वनमंडल के चार रेंज और वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में लगातार कार्य कर रहा है जहां वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में गिद्धों के संरक्षण को लेकर पिछले एक साल से चल रहे काम का असर इस बार चल रही गिद्ध गणना में नजर आ रहा है टाइगर रिजर्व के साथ ही दमोह जिले के तेन्दूखेड़ा उप वनमंडल के तेजगढ़ तेन्दूखेड़ा झलौन तारादेही वन परिक्षेत्रों में सोमवार से तीन दिवसीय शीतकालीन गिद्ध गणना शुरू हुई थी सूर्योदय के साथ ही वन विभाग का अमला व वॉलंटियर की टीम ने गिद्धों की तलाश शुरू की और तेन्दूखेड़ा उप वनमंडल के चारों रेंजों में तीन दिन तक चली इस गणना में 70 से 80 गिद्ध इन चारों वन परिक्षेत्रों में नजर आए हैं साथ ही वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में दो दिन की गणना में कुल 817 गिद्ध पाए गए हैं टाइगर रिजर्व में स्पॉट किए गए हैं जो पिछले साल की तुलना में 225 ज्यादा है टाइगर रिजर्व उपसंचालक कार्यालय के अनुसार पहले दिन की गणना में सभी मंडलों में कुल 1119 गिद्ध नजर आए थें लेकिन दूसरे दिन मंगलवार को गिद्धों की संख्या बढ़कर 1338 पहुंच गई जबकि पिछले साल गिद्धों की संख्या 1266 थी इस हिसाब से देखें तो गिद्धों की संख्या 72 बढ़ी है टाइगर रिजर्व उप

संचालक कार्यालय के अनुसार पिछले साल हुई शीतकालीन गिद्ध गणना में टाइगर रिजर्व सागर और दमोह मंडल में कुल 1266 गिद्ध मिले थे जिसमें सबसे ज्यादा 592 गिद्ध टाइगर रिजर्व में देखें गए थे।

तेंदूखेड़ा में सबसे ज्यादा

जिले के तेन्दूखेड़ा उप वनमंडल के तेजगढ़ तेन्दूखेड़ा झलौन तारादेही वन परिक्षेत्रों में भी शीतकालीन गिद्ध गणना की जा रही है जहां तीन दिन की गणना में तेन्दूखेड़ा वन परिक्षेत्र के जंगलों में सबसे ज्यादा गिद्ध पाए गए हैं और सबसे काम झलौन वन परिक्षेत्र में नजर आए हैं इन तीन दिन की गिद्ध गणना में तेन्दूखेड़ा वन परिक्षेत्र के जंगलों में 35 गिद्ध तीन दिन की गणना में पाए गए हैं जो पिछली बार से अधिक है वहीं तारादेही वन परिक्षेत्र के 20 से 22 गिद्ध गणना में पाए गए हैं तेजगढ़ वन परिक्षेत्र में 10 से15 गिद्ध पाए गए हैं झलौन वन परिक्षेत्र में 4 गिद्ध पाए गए हैं जो जहां तीन दिन चलने वाली इस गणना में सबसे काम गिद्ध झलौन वन परिक्षेत्र के जंगल में पाएं गए हैं।

गिद्धों का पर्यावरण में महत्व

गिद्ध पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। वे मृत जानवरों को खाकर पर्यावरण को स्वच्छ रखते हैं और बीमारियों के प्रसार को रोकते हैं। गिद्धों को प्रकृति का सफाईकर्मी भी कहा जाता है। इनका पाचन तंत्र बैक्टीरिया और खतरनाक रोगाणुओं को नष्ट करने में सक्षम होता है। इससे वे संक्रामक रोगों को फैलने से रोकते हैं। गिद्धों की संख्या में गिरावट के कारण यह प्रजाति विलुप्त होने के कगार पर है।

तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र अधिकारी मेघा पटेल ने बताया कि गिद्ध पर्यावरण के सफाई कर्मी एवं मानव जीवन में उनकी भूमिका अहम है। उन्होंने गिद्धों के प्राकृतिक आवासों के संरक्षण एवं संवर्धन और उन्हें बचाने में सहयोग करने की आमजन से अपील की है

विदेशी गिद्ध भी मौजूद

विशेषज्ञों के अनुसार दुनिया में गिद्धों की कुल 9 प्रजातियां हैं, जिसमें से 7 प्रजातियां वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में मौजूद हैं। गणना में अमले को यहां देशी-विदेशी सभी प्रकार के गिद्ध नजर आए हैं। उप संचालक कार्यालय के अनुसार स्थानीय गिद्धों में इंडियन या लांग विल्ड वल्चर, चमर या व्हाइट बैक्ट वल्चर, रेड नेक्ड या किंग वल्चर और इजिप्शियन या व्हाइट वल्चर शामिल हैं, वहीं प्रवासी गिद्धों में यूरेशियन, हिमालयन और सिनेरिसय वल्चर शामिल हैं।

इनका कहना है

टाइगर के उप संचालक डॉ एए अंसारी ने बताया कि टाइगर रिजर्व में 42 के करीब स्थान हैं, जहां गिद्धों का बसेरा है। यहां देशी, देशी, विदेशी विदेशी सभी गिद्ध नजर आए हैं और वह भी उम्मीद से ज्यादा। पिछले साल की तुलना में गिद्धों की संख्या बढ़ी है, जो एक अच्छा संकेत है

चेम्स फन के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल एवं सहभागिता प्रमाण पत्र प्राप्त किए

ओलंपियाड परीक्षा के विजेताओं को किए गए पुरस्कार वितरित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

द चैम्प्स फन स्कूल में साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित आईजीकेओ (अंतर्राष्ट्रीय जनरल नॉलेज) ओलंपियाड परीक्षा के विजेताओं को पुरस्कृत करने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया। साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन प्रतियोगिताएं आयोजित करने वाला अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जो अन्तर्राष्ट्रीय अर्थात भारत और अन्य देशों के स्कूल विद्यार्थियों के लिए विभिन्न ओलंपियाड परीक्षाओं का आयोजन करता है। इस वर्ष द चैम्प्स फन स्कूल के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 15 गोल्ड मेडल ऑफ एक्सीलेंस, 7 गोल्ड मेडल और 16 सहभागिता प्रमाण पत्र प्राप्त किए। इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के

सम्मान में आयोजित इस समारोह में प्राचार्य डॉ. आशीष चटर्जी, डायरेक्टर श्रीमती जूही चटर्जी, कॉर्डिनेटर श्रीमती रीना मालवीय और एडमिन ऑफिसर श्रीमती विनिता जसलानी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उत्कृष्ट तरीके से कार्य करने हेतु विद्यालय की शिक्षिकाओं श्रीमति रीना मालवीय और सुश्री विनम्रता तिवारी को एसओएफ द्वारा प्राप्त प्रदान किए। एसओएफ प्रभारी सुश्री विनम्रता तिवारी और श्रीमती मनाली जायसवाल ने पूरे आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खेल प्रतियोगिताएं खेल भावना को बढ़ावा देती हैं

प्राचार्य डॉ. आशीष चटर्जी ने सभी विजेताओं को बधाई दी और उन्हें आगामी वार्षिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्रों में ज्ञान, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देती हैं। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों के शानदार प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की और भविष्य में और अधिक सफलता की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों ने विजेता विद्यार्थियों का करतल ध्वनि से उत्साहवर्धन किया। समारोह का समापन विद्यालय में उल्लासपूर्ण वातावरण के साथ हुआ।

शम्स कमर बने मुस्लिम त्योहार कमेटी के जिला उपाध्यक्ष

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

आल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के चेयरमैन अली जनाब हाफिज अहमद खुर्रम के निर्देश अनुसार चैधरी मुशाहिद अली मुश्शी, की अनुशंसा पर आल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी विदिशा के जिला अध्यक्ष सोहेल अहमद बबलू ने सिरोंज के युवा समाज हाफिज शम्स कमर को समाज में सक्रियता को देखते हुए आल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी विदिशा जिले का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है उनकी नियुक्ति पर मित्रो ने बधाई दी बधाई देने वालो में हज कमेटी के जिला ,मुस्लिम महासभा के ब्लॉक अध्यक्ष अल्ताफ खान, मुस्लिम महासभा के जिला अध्यक्ष एडवोकेट शोएब खांन, मुस्लिम त्योहार कमेटी के तहसील अध्यक्ष बाबू ठेकेदार, जिला वक्फ कमेटी अध्यक्ष अय्यूब कुरैशी, सचिव अमीन मंसूरी, फिरोज खांन, कवि गोरी, मुनीम गोरी आदि ने बधाई दी।

मेट्रो एंकर 23 फरवरी को नर्मदा कॉलेज में होगी बैलगाड़ी दौड़ प्रतियोगिता : 8 एवं 9 मार्च को फिल्म फेस्टिवल का आयोजन ग्वालियर में होगा

रामजी बाबा मेले में कुश्ती का आयोजन, पहलवानों ने दिखाए दांव पेंच, युवराज ने जीता पहला इनाम

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगरपालिका परिषद द्वारा आयोजित संत शिरोमणी श्रीरामजी बाबा मेले में खेलकूद एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

गुरुवार को एसएनजी ग्राउंड में दंगल का आयोजन किया गया। जिसमें 30 पहलवानों की जोड़ियों ने हिस्सा लिया। दंगल में प्रथम देवालपुर के पहलवान युवराज सिंह रहे जिनको नगरपालिका परिषद की ओर से 21 हजार रुपए का इनाम दिया गया। निर्णायक के रूप में नारायण खंडेलवाल, जगदीश पहलवान राजकुमार, तुलसीदाराम, बनवालीलाल पहलवान, आदि थे.

इस आयोजन में सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, विधायक सहित कई जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मेले के सांस्कृतिक मंच पर

21 फरवरी को वाली ठाकरे, द्वारा देवी जागरण।
22 फरवरी को आर्केस्ट्रा नाईट।
23 फरवरी को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन।
24 फरवरी को सदाबहार गीत संध्या कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा.
23 फरवरी को बैलगाड़ी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम में आयोजित होगी.

राम जी बाबा मेले में किया गया फिल्म फेस्टिवल के पोस्टर का विमोचन

नर्मदापुरम.सतपुड़ा चलचित्र समिति और विश्व संवाद केंद्र मध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में ग्वालियर फिल्म फेस्टिवल का आयोजन 8-9 मार्च को होगा। यह फेस्टिवल प्रदेश के युवा फिल्मकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगा। फेस्टिवल के पोस्टर का विमोचन हाल ही में रामजी बाबा मेले में किया गया। इस मौके पर सतपुड़ा चलचित्र समिति के रंगकर्मी हरीश वर्मा, जिला पंचायत सीईओ सोजान सिंह रावत, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव और संतोष नौरिया विभाग प्रचार प्रमुख मौजूद रहे। अभिनेता एवं रंग

निर्देशक हरीश वर्मा ने कहा कि यह फेस्टिवल प्रदेश के फिल्मकारों को अपने कौशल को प्रदर्शित करने का मंच देगा। उन्होंने कहा कि दूषित वातावरण खत्म करने के लिए अच्छा कंटेंट देना जरूरी है । अगर कंटेंट अच्छा होगा तो कम बजट की फिल्में भी सफल होंगी। फिल्म अभिनय आधारित होनी चाहिए, न कि सिर्फ अभिनेता आधारित। अच्छे और स्वच्छ विचारों को लोगों तक पहुंचाना जरूरी है।

राष्ट्रीय पेंशन योजना के अंतर्गत मिसिंग क्रेडिट के निराकरण हेतु विशेष अभियान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के वित्त विभाग द्वारा राज्य शासन के अधीन सिविल सेवा व पदो पर एक जनवरी 2005 को या उसके पश्चात नियुक्त होने वाले शासकीय सेवको पर राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (परिभाषित अंशदायी पेंशन योजना) लागू होगी। इस योजना के अंतर्गत शासकीय सेवक वेतन से 10 प्रतिशत एवं 10 प्रतिशत शासकीय अंशदान (1 अप्रैल 2021 से 14 प्रतिशत) कटौत्रा प्रान में जमा किया जा रहा है।

उक्त योजना के अंतर्गत कर्मचारी एवं शासकीय अंशदान शासकीय सेवक के प्रान में जमा किया जाता है। कतिपय कारणो से कुछ कर्मचारियों के अंशदान उनके प्रान में जमा नहीं हुए जिसके मुख्य कारणों में मैन्यूअल देयक से वेतन आहरण एवं प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ शासकीय सेवक के चालान की राशि, का चालान विवरण के अभाव में रिफंड भुगतान न होना रहा है।

गुमशुदा कटौत्रों की उक्त समस्या के समाधान के लिए संचालनालय, कोष एवं लेखा द्वारा आईएफएमआईएस में सुविधा विकसित की गयी है। इसके लिए कोष एवं लेखा संचालनालय द्वारा विस्तृत प्रक्रिया के संदर्भ में 16 जुलाई 24 को पत्र जारी किया गया है। तदनुसार वेतन देयक जिनसे शासकीय सेवक का अंशदान काटा गया है, डीडीओ के लॉगिन पर उपलब्ध कराये गये है जिनके विरूद्ध

आवश्यक कर्मचारीवार विवरण डीडीओ द्वारा भरा जावेगा। शासकीय अशंदान एवं शासकीय सेवक अंशदान के लिए दावा स्वतः जेनरेट होगा जिसके लिए आहरण अधिकारी द्वारा उसी प्रकार कोषालय को प्रेषित होगा एवं अंशदान जमा होगा जैसे नियमित देयकों से वर्तमान में हो रहा है।

प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ शासकीय सेवक के अंशदान के चालान जो कोषालय लॉगिन पर उपलब्ध होगे, का विवरण कोषालय अधिकारी द्वारा आईएफएमआईएस में भरा जावेगा एवं रिफंड देयक तैयार कर अंशदान जमा करने की कार्यवाही की जाएगी।उपर्युक्त कार्यवाही पूर्ण करने हेतु समस्त कोषालय अधिकारियों को निर्देशित किया गया तथा संचालनालय पेंशन भविष्य निधि एवं बीमा, भोपाल द्वारा पुनः पत्र जारी कर समस्त कोषालय अधिकारियों को दिसंबर 24 तक कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया है। कोषालय अधिकारियों द्वारा तदनुसार कार्य पूर्ण करने का प्रयास किया जा रहा है। उपर्युक्त प्रक्रिया एवं समय समय पर किये गये विशेष प्रयासों के फलस्वरूप 95 प्रतिशत से अधिक गुमशुदा कटौत्रे जमा किये जा चुके है। उपर्युक्त कार्यवाही के पश्चात भी कतिपय शासकीय सेवकों के एनपीएस अंशदान जमा नही हो सके है, साथ ही कतिपय नवनियुक्त शासकीय सेवक के अंशदान भी वेतन आहरण न होने के कारण लंबित है, ऐसे गुमशुदा अंशदानों को जमा करने हेतु विशेष अभियान निम्नानुसार चलाने का निर्णय लिया गया है।

अतः इस प्रकार गुमशुदा अंशदानों को जमा करने के अभियान की अंतिम तिथि 28 फरवरी नियत की गई है। समस्त लंबित प्रकरणों की प्रविष्टि एवं अंशदान देयक आहरण एवं संवितरण अधिकारियों द्वारा पूर्ण किये जाए। जिन संस्थाओं में प्रितनियुक्त शासकीय सेवक का अंशदान कोषालय में चालान से जमा किये गये है उनकी जानकारी कोषालयो को निर्धारित प्रपत्र में उपलब्ध कराई जाए।कोषालयों द्वारा डीडीओ से प्राप्त समस्त देयकों को पारित कर रिफंड देयक के माध्यमसे अंशदान जमा किये जाएगें।संस्थाओ से प्राप्त जानकारियों की प्रविष्टि एवं अंशदान का भुगतान किया जाएगा। इसके लिए एक मार्च से 15 मार्च तक की अवधि नियत की गई है। संचालनालय, पेंशन कार्यालय में एनपीएस मिसिंग क्रेडिट संबंधी समस्त शिकायते दूरभाष क्रमांक 0755-2706625 पर दर्ज की जा सकेगी। संचालनालय पेंशन को प्राप्त शिकायतें एवं सीएम हेल्पलाईन में 31 जनवरी 25 तक प्राप्त शिकायतों को निराकरण इसी अवधि में कराया जाएगा। इसी अवधि में 10 मार्च माह की 10 से 12 तारीख तक समय दोपहर 3.00 बजे से सांय 5.00 बजे के मध्य संबंधित विभागीय अधिकारी से संचालनालय स्तर पर वीडियो कान्फ्रेन्सिग के माध्यम से उपलब्ध रहेंगें।

क्या विधायक के समर्थन के बाद सभी अतिक्रमणधारियों पर सिंचाई विभाग कार्रवाई कर पाएगा

एक बार फिर 47 लोगों को थमाए नोटिस, बड़े रसूखदारों के नाम भी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

वैसे केथन डेम डूब क्षेत्र से खाली होने वाली जमीन पर 18 सालों बड़े पैमाने पर दबंगों के द्वारा अवैध रूप से खेती करके पानी को दूषित किया जा रहा है। इसके चलते शहर वासी कई तरह की बीमारी पीड़ित हो रहे हैं खेती करने वालों को द्वारा पानी की चोरी भी की जाती है इस वजह से गर्मियों के दिनों में पानी को लेकर किल्लत भी पिछले साल हुई थी इस बार ऐसे हालात न बने इसको लेकर लगातार समाजसेवियों, नगर वासियों से लेकर मीडिया तथा सामाजिककार्यकर्ता अशोक जैन खर्च के द्वारा विधायक से शिकायत की गई थी जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए में पहली बार प्रशासन के द्वारा अवैध रूप से खेती करने वालों पर एक तरफ से कर्रवाई आरंभ की अभी भी कई बड़े रसूखदार खेती कर रहे हैं इनकी फसलों पर भी ट्रैक्टर चालवने की तैयारी सिंचाई विभाग के अधिकारी कर रहे है टोटल 47 लोगों के द्वारा अवैध रूप से केथन डैम की डूब क्षेत्र की जमीन में खेती की जा रही है इनको कई बार सिंचाई विभाग के अधिकारियों द्वारा नोटिस दिए गए इसके बाद भी यह खेती कर रहे हैं इसमें कई नाम ऐसे हैं जो सत्ता पक्ष से लंबे सालों से जुड़े हुए हैं उनके

द्वारा भी खेती की जा रही है पर विधायक ने अधिकारियों से एक ही बात बोली थी यदि उमाकांत शर्मा का भी नाम अतिक्रमण धारी की सूची में शामिल है तो उसके खिलाफ भी बेधड़क होकर कार्रवाई करना उसी का परिणाम है लगभग डेढ़ सौ बीघा जमीन खाली हो चुकी है बची हुई जमीन पर भी बड़ी कार्रवाई होने वाली है बैसे भी खेती करने वालों पर निरंतर करवाई हो रही है। प्रशासन के द्वारा केथन डैम में अवैध रूप से खेती करने वालों कई बार नोटिस इसके बाद भी इन्होंने खेती करना बंद नहीं किया इनके नामों का खुलासा भी हम कर रहे हैं।

विधायक ने दिया सख्त संदेश तभी हो रही है करवाई

केथन डेम की डूब क्षेत्र की खाली होने वाले भूमि में कई सत्ता पक्ष के लोग भी अवैध रूप से कब्जा करके खेती करने का काम कर रहे हैं उनके खिलाफ भी प्रशासन कार्रवाई कर रहा हैं। जो शेष रह गए हैं अतिक्रमण धारियों पर भी कार्रवाई धरातल पर होने वाली है। यह सब विधायक की साफ इच्छा का परिणाम है तभी कार्रवाई नजर आ रही है नहीं तो इससे पहले कई बार शिकायत हुई पर इतनी बड़ी कार्रवाई इस बार हो रही है इतनी बड़ी कार्रवाई पहले नहीं हो पाई है। जनहित में डेम पूरी तरह से खाली होना जाएगा तो लोगों को साफ स्वच्छ पानी नगर पालिका शहर में सप्लाई करेगी जिस तरह से विधायक ने सभी पर एक तरफ से कार्रवाई करने के लिए अपना खुला समर्थन दिया है तो अधिकारियों को भी एक तरफ से सभी पर अवैध रूप से खेती कर ने पर कार्रवाई करते हुए जमीन को मुक्त करवाना होगा तभी विधायक का प्रयास सफल हो पाएगा और जनता को न्याय मिल पाएगा।

इन लोगों को सिंचाई विभाग ने जारी किया थे नोटिस

मोहनदास वीरपुर, मवासी वीरपुर, छिना वीरपुर, खूबाराम वीरपुर, भगीरथ वीरपुर, रामरतन चैड़ा खेड़ी, रामप्रसाद सिकंदरपुर, मूलचंद वीरपुर, रामदयाल वीरपुर, मीराबाई चैड़ा खेड़ी, अमरचंद वीरपुर, कल्याण सिंह बीरपुर , सुदन वीरपुर, चतार वीर पुर, भोगीराम, चैखाखेडी, मूलचंद वीरपुर,लाखन पाटन, कपूरी वीरपुर, कल्याण वीर पुर,सुदन वीरपुर, मचल सिंह वीरपुर, अमरचंद वीरपुर,जका अल्ला, वीरपुर, आबर वीरपुर, डाबरियां वीरपुर,लखपत सिंह बरवई,सुनील बरवई, सलीम मियां अयोध्या बस्ती , अनरत सिंह कमलिया, घासी राम कमलिया, मोहर सिंह कमलिया, नरा सिंह चैड़ा खेड़ी, बलजीत लटेरी रोड सिरोंज, कालूराम पंचकुइया, कैलाश पंचकुइया सिरोंज, राजा खा टोरी सिरोंज, गफारखां, टोरी सिरोंज, प्राण सिंह अयोध्या बस्ती, राजपाल पाटन, चरण सिंह पाटन, सौभाग्य सिंह पाटन, रामचरण, लटेरी रोड सिरोंज, जगदीश मछली का सिरोंज, जफर खां टोरी सिरोंज, मनोज चैड़ा खेड़ी, अकरम टोरी सिरोंज, वह नोटिस जारी किया है।

इनका कहना है

सभी अतिक्रमण धारियों हम पहले ही नोटिस दे चुके है जिनका रह गया है उनके खिलाफ भी हम जल्दी ही कार्रवाई करेंगे साथ ही बिजली बिभाग को इन खेती करने वालों का कनेक्शन न देने के लिए भी पत्र लिखेंगे।

-कमलेश कुमार
सिंचाई विभाग एसडीओ

कलेक्टर के निर्देश पर होटल रेस्टोरेंट में जांच कर एकत्रित किए गए खाद्य सामग्री के सैंपल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जिले में संचालित खाद्य प्रतिष्ठानों, होटल रेस्टोरेंट इत्यादि में आम नागरिकों को परोसी जा रही खाद्य सामग्री की शुद्धता और साफ-सफाई की जांच के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वह निरंतर दुकानों की जांच कर खाद्य पदार्थों का सैंपल लेने का कार्य करें। आम नागरिकों की सेहत को ध्यानगत रखते हुए दिए गए निर्देशों के अनुपालन में गठित किए गए निरीक्षण दल ने आज जिले के होटल , रेस्टोरेंटों का औचक निरीक्षण किया है। नायब तहसीलदार राजेंद्र त्यागी एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती एडलीन ई पन्ना, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्रीमती मिताली मेहरा के द्वारा विदिशा शहर के डिवाइन फूड लॉन्च का औचक निरीक्षण कर खाद्य पदार्थ ग्रेवी, तुअर दाल, मूंगफली दाना, सॉस, चावल आदि के नमूने जांच हेतु एकत्रित किए हैं। उक्त नमूने जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे जाने की कार्यवाही की गई है। इसी प्रकार औषधि निरीक्षक संजीव जादौन द्वारा कृष्ण मेडिकल, अल्फा मेडिकल का निरीक्षण कर विभिन्न प्रकार की औषधियों के नमूने एकत्रित किए हैं जो औषधि प्रयोगशाला भोपाल भेजे जाएंगे।

समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन शुरू

सिरोंज। विदिशा शासन की उपार्जन योजना अंतर्गत रबी मौसम वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन हेतु कृषकों के पंजीयन ई उपार्जन पोर्टल पर 20 फरवरी से प्रारंभ हो गये है जो कि 31 मार्च 2025 तक किये जाएंगे। जिला आपूर्ति अधिकारी अनिल तंतुवाय ने बताया कि जिले में गेंहू पंजीयन हेतु 130 सहकारी समितियों को पंजीयन केन्द्र निर्धारित किया गया है, इसके साथ ही कृषक सुविधा अनुसार एमपी किसान एप पर निशुल्क पंजीयन सुविधा उपलब्ध है। एमपीऑनलाईन, सीएससी सेंटर के 320 केन्द्रों पर 50 रूपये के निर्धारित शुल्क पर किसान पंजीयन करा सकते है। जिले में अब तक 7167 किसानों द्वारा पंजीयन कराया है। अतः समस्त किसान भाई जिनके द्वरा गेंहू की फसल बोई गई है किन्तु उपार्जन हेतु पंजीयन नहीं कराया है से अनुरोध है कि समय सीमा में अपना पंजीयन करा लेवें एवं यह भी सुनिश्चित करें कि पंजीयन हेतु आपके द्वारा उपलब्ध करवाई गई जानकारी सही है एवं पंजीयन के उपरांत आपको जो पंजीयन रसीद प्राप्त हुई है उसमें आपके द्वारा दी गई आपकी समस्त जानकारी सही-सही दर्ज की गई है, ताकि उपज विक्रय करते समय अनावश्यक परेशानी से बचा जा सके।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न 159 जोड़े दांपत्य सूत्र बंधे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत कुरवाई में सामूहिक वैवाहिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था कुरवाई एसडीएम मनोज प्रजापति ने बताया कि नव दंपतियों को सागर सांसद श्रीमती लता बानखेडी ने नवविवाहितो को शुभ आशीर्वाद व उपहार भेंट किए है।

कुरवाई एसडीएम श्री मनोज प्रजापति ने बताया कि आज संपन्न हुए सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 159 जोड़े वैवाहिक दाम्पत्य बंधन में बंधे है।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी वर वधू के रिश्तेदारों के साथ-साथ अन्य सामाजिक संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

ट्यूबवेल की मोटर लगातार हो रही है चोरी, किसानों ने पुलिस में की शिकायत

सिरोंज। पिछले कुछ दिनों से ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के बोरों से मोटर चोरी करने का काम किया जा रहा इससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कोई चोरी गिरोह क्षेत्र में सक्रिय हो गया है। जिसके द्वारा इन चोरियों की वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। ग्राम परसौर से कई मोटर चोरी हो चुकी है। प्रमोद रघुवंशी, बृजेश रघुवंशी ने पथरिया पुलिस को आवेदन देते हुए कहा कि रात्रि में हमारे बोर में से अज्ञात चोर बोर में से मोटरे चोरी कर ले गए हैं ।इनके खिलाफ कार्रवाई करके चोरी गई मोटरों को इनसे जप्त करके हमें दिलवाई जाए इससे पहले भी कई किसानों की मोटर चोरी हो चुकी अन्य ग्रामों से भी चोरी की शिकायत लगातार सामने आ रही है ।इस वजह से किसानों को रात्रि-जागरण भी करना पड़ा इसके बाद भी किसानों की मोटर चोरी कर रहे हैं। इससे ऐसा लग है कहीं ना कहीं शातिर चोर इन घटनाओं को अंजाम दे रहे इसमें आसपास के कुछ चोर भी शामिल हो सकते हैं। पुलिसकर्मी को मेहनत करनी होगी तभी सफलता पाएगी।

कलेक्टर ने राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए लोक शिकायतों के प्रभावी निवारण के नवाचारों को साझा किया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

भारत शासन के विभिन्न मंत्रालय एवं राज्य सरकारों और मध्यप्रदेश शासन की शिकायत निवारण प्रणाली एवं सर्वोत्तम प्रथाओं पर प्रस्तुतियां प्रदर्शन और चर्चा हेतु आहूत राष्ट्रीय कार्यशाला को विदिशा कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने भी संबोधित किया है। इस कार्य शाला में मात्र विदिशा एवं सागर कलेक्टर को संबोधन के लिए आमंत्रित किया गया था। आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल द्वारा भारत शासन के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग नई दिल्ली के सौजन्य से गुरु वार बीस फरवरी को राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने ततसंबंध में जिले में नवाचारो के माध्यम से शिकायतों की प्राप्ति उपरांत समाधान के लिए किए गए प्रबंधों पर गहन प्रकाश डाला है। विदिशा जिले में गुड गवर्नेंस के तहत संपादित किए जा रहे कार्यो के सापेक्षित परिणाम स्वरूप प्रदेश स्तरीय सीएम हेल्पलाइन के निराकरणो की जारी होने वाली मासिक ग्रेडिंग सूची में विदिशा टॉप फाइव में सम्मिलित रहता है। कलेक्टर ने सुशासन सरकार का लक्ष्य के तहत बताया कि सुशासन ऐसी प्रणाली को कहा जा सकता है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति की बात सुनी जावे और नियमो के अनुसार उस पर कार्यवाही हो जो शासन व प्रशासन जनता के हित के लिए लगातार प्रयासरत है। वह सुशासन है। शिकायतो का निराकरण किया जाना भी सुशासन का अंग है।

शिकायतें-शासन के कार्यो का दर्पण

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि शिकायते शासन के कार्यो का दर्पण है। शिकायतो की मुख्य समास्याओ को रेखांकित करते हुए कहा कि सामान्य तौर पर नकारात्मक रूप में अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा लिया जाना, शिकायतकर्ता को पूर्ण जानकारी नहीं देना, उनसे उचित व्यवहार नहीं करना, उनकी शिकायतो को सुना नहीं जाना, निराकरण उपरांत आवेदक को सूचित ना करना ये ऐसे बिन्दु है जो शिकायतो का बेहतर निराकरण करने में बाधाएं थी।

जनसुनवाई को और ज्यादा सशक्त बनाना है

प्रति मंगलवार को 11 से एक बजे के मध्य जनसुनवाई को आयोजन होता है जिसमें न केवल जिले के अधिकारी बल्कि खण्ड स्तर के अधिकारियों को वीडियो कांफ्रेस के माध्यम से जोडकर शिकायत का निराकरण किया जाता है। जिला स्तर पर आवेदको हेतु टोकन व्यवस्था जिससे उन्हें अपने नम्बर तथा लगने वाले समय की जानकारी रहे। आवश्यकता होने पर आवेदको के आवेदन लिखे जाने हेतु दो शासकीय लिपिको को पाबंद किया गया है। जनसुनवाई में आधार कैंप का आयोजन आधार संबंधी शिकायतो का तत्काल निराकरण, जनसुनवाई में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन तथा पात्र आवेदको का आयुष्मान कार्ड तत्काल तैयार करना, जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनो को सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज कर मॉनिटरिंग करना, जनसुनवाई के अतिरिक्त प्रति दिवस प्राप्त आवेदनो की मॉनिटरिंग हेतु जन आकांक्षा पोर्टल पर दर्ज कराना है।

सुधारात्मक निर्देश

कलेक्टर द्वारा विदिशा जिले में शिकायतो के निराकरण हेतु किए गए नवाचारो के तहत सबसे पहले अधिकारियों के साथ बैठकर उन्हें सुधारात्मक मॉटिवेशन व निर्देशो के अनुरूप कार्य करने हेतु अभिप्रेरित किया जिसमें सुनवाई ओर समझना, स्पष्टता, प्रक्रिया का निर्धारण, संवेदनशीलता, समाधान की पेशकश, फीडबैंक, रिकार्ड रखना, समीक्षा और सुधार, संवाद इत्यादि पृथक-पृथक बिन्दुओं के क्रियान्वयन पर बल दिया गया है।

कलेक्टर ने बताया कि शिकायतें विभिन्न माध्यमों से कार्यालयों को प्राप्त होती है जिसमें सीधे कार्यालय में, ईमेल, सोशल मीडिया, समाचार पत्रों, ज्ञापन आदि के माध्यम से इसके अलावा जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन, 181, भ्रमण शिविर व जनप्रतिनिधियों के माध्यम से तथा वरिष्ठ कार्यालयो द्वारा सम्प्रेषित। विदिशा जिले में निराकरण हेतु प्रशासनिक कसावटो की महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर प्रति दूसरे दिवस विभागो की समीक्षा की जा रही है। ऐसे पहलुओं पर कार्य करना जिसमें अधिक संख्या में शिकायते प्राप्त हो रही है, शिकायतो के प्रकार तथा उसके क्षेत्र विशेष का विश्लेषण करना, विशेष प्रकार की शिकायतो के संज्ञान में आने पर उस क्षेत्र विशेष में कैंप, शिविर आदि आयोजित कर निराकरण, जनसुनवाई कार्यक्रम को सशक्त बनाना, 181 के माध्यम से शिकायतो की गहन समीक्षा किया जाना, भविष्य में उत्पन्न होने वाली शिकायतों का पूर्व प्रबंधन, जिले के कॉल सेन्टर से रेंडम एक या दो विभागो के शिकायतकर्ताओं से बात करना, विभागीय अधिकारियों द्वारा शिकायतकर्ता से संपर्क करने या न करने की पुष्टि करना, शिकायतकर्ता की संतुष्टि पर विशेष ध्यान देना, अंतिम दिवस पूर्ण करने वाली सभी शिकायतो को अटेंड करने हेतु जिलाधिकारियों को सूचित करना, शिकायतो के निराकरण की गुणवत्ता पर ध्यान देना, विभागीय निराकरण से संतुष्ट न होने पर जिला कार्यालय से समय-समय पर अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, लोक सेवा प्रबंधक के माध्यम से आवेदकों को नियम से अवगत कराया जाकर शिकायतो को संतुष्टि से बंद कराए जाने में भी सफलता मिली है।

समाचार पत्र, सोशल मीडिया पर नजर

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि समस्याओं की प्राप्ति स्वयमेव के लिए समाचार पत्र सोशल मीडिया पर विशेष नजर रखी जा रही है ताकि प्रकाशित शिकायतो को त्वरित संज्ञान में लेकर निराकरण की पहल की जा सकें। उन्होंने बताया कि समाचार पत्रों में खबरो की नियमित मॉनिटरिंग, संयुक्त कलेक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया, गलत खबर होने पर खंडन का प्रकाशन, सोशल मीडिया पर प्राप्त शिकायतो, सुझावो पर त्वरित कार्यवाही कर तत्काल सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सूचना देना है। उन्होंने सोशल मीडिया पर प्राप्त विषयों पर की गई कार्यवाही के साथ-साथ दक्षता सुधार शिकायतो में कमी लाने के उपाय, सकारात्मक परिणामों को रेखांकित किया है।

चैंपियंस ट्रॉफी में साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान की भिड़ंत

राशिद अफगानिस्तान के टॉप विकेट टेकर, चुन सकते हैं कप्तान

नईदिल्ली, एजेंसी

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का तीसरा मुकाबला आज साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच खेला जाएगा। मैच कराची के नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होगा। विकेटकीपर विकेटकीपर के तौर पर रहमानुल्लाह गुरबाज और हेनरिक क्लासन को चुन सकते हैं। रहमनुल्लाह गुरबाज अफगानिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की लिस्ट में टॉप-10 में शामिल हैं। वे इस लिस्ट में 8वें नंबर पर हैं। अब तक खेले 46 वनडे मैचों में 88.49 की स्ट्राइक रेट से 1769 रन बनाए हैं। इसमें 8 शतक और 6 अर्धशतक भी जमाए। हेनरिक क्लासन ने इस साल एक वनडे मैच खेला है और इसमें 87 रन बनाए हैं। वहीं, अब तक खेले 58 वनडे में 2074 रन बनाए हैं। इसमें उन्होंने 4 शतक और 10 अर्धशतक लगाए हैं।

बैटर्स बल्लेबाज के तौर पर तेम्बा बावुमा, रासी वैन डेर डुसेन और इब्राहिम जादरान को टीम में ले सकते हैं। टेम्बा बावुमा ने इस साल दो वनडे मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 102 रन बनाए हैं। अब तक खेले 46 मैचों में 88.50 के स्ट्राइक रेट 1733 रन बनाए। इसमें 5 शतक और 5 अर्धशतक भी शामिल है। रासी वैन डेर डुसेन ने इस साल एक भी मैच नहीं खेला है। वहीं अब तक खेले 68 मैचों में 86.33 के स्ट्राइक रेट 2464 रन बनाए हैं। इसमें 6 शतक और 14 अर्धशतक भी शामिल है। इब्राहिम जादरान अब तक खेले 33 मैचों में 1440 रन

बनाए हैं। इसमें 5 शतक और 7 अर्धशतक शामिल है। अफगानिस्तान टीम ने इस अब तक कोई वनडे नहीं खेला है। लेकिन, जादरान ने पिछले साल खेले 5 मुकाबलों में 153 रन बनाए थे।

ऑलराउंडर्स ऑलराउंडर्स के तौर पर एडेन मार्करम, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी और मार्को यानसन को चुन सकते हैं। एडेन मार्करम ने इस साल एक भी वनडे मैच नहीं खेला है। वे वनडे में साउथ अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले चौथे एक्टिव बैटर हैं। अब तक खेले 74 वनडे मैचों में 96.49 की स्ट्राइक रेट से 2288 रन बनाए हैं। 3 शतक और 11 अर्धशतक भी जमा चुके हैं। वहीं 5.62 की इकोनॉमी से गेंदबाजी की है और 20 विकेट लिए हैं।अजमतुल्लाह ओमरजई पिछले साल अफगानिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बैटर हैं। उन्होंने 14 मैचों में 417 रन बनाए हैं। अब तक खेले 36 वनडे में 5.38 की इकोनॉमी से गेंदबाजी की है और 30 विकेट लिए हैं। वहीं इतने ही मैचों में 907 रन भी बनाए हैं। मोहम्मद नबी अफगानिस्तान के लिए ऑलटाइम सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। उन्होंने 170 मैचों में 3618 रन बनाए हैं। इसमें 2 शतक और 17 अर्धशतक शामिल है। साथ ही 4.27 की इकोनॉमी से गेंदबाजी की है और 172 विकेट भी लिए हैं।मार्को यानसन साउथ अफ्रीका के लिए 26 वनडे मैचों में 6.31 की इकोनॉमी से गेंदबाजी की है और 41 विकेट भी लिए हैं।

जीत में भी चैंपियंस के लिए सबक...

टी 20 वर्ल्ड कप चैंपियन टीम इंडिया ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में जीत के साथ आगाज किया है।बांग्लादेश के खिलाफ दुबई में खेले गये अपने पहले मुकाबले में रोहित ब्रिगेड ने 6 विकेट से जीत दर्ज की।मैच के हीरो रहे शुभमन गिल और मोहम्मद शमी, जिनके दमदार

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

प्रदर्शन से टीम को आसान जीत मिली।टॉस गंवाने के बाद रोहित शर्मा की मंशानुसार मिली पहले गेंदबाजी में मोहम्मद शमी की शानदार गेंदबाजी के बाद उपकप्तान शुभमन गिल के बेहतरीन शतक से टीम इंडिया ने चैंपियंस ट्रॉफी के अपने पहले मुकाबले में बांग्लादेश को हराकर टूर्नामेंट की विजयी शुरुआत की।इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने की दावेदारी भी ठोक दी है।भले ही टीम इंडिया ने जीत हासिल कर ली हो,लेकिन सच तो यह है कि अगर गंभीर सेना चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब हासिल करना है तो फिर इस जीत से भी कुछ सबक लेने होंगे।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की स्थिति एक समय खराब थी और उसने 35 रन पर ही पांच विकेट गंवा दिए थे,लेकिन टीम इंडिया की लचर फील्डिंग की बदौलत जाकिर और ह्रदोय ने शानदार साझेदारी कर बांग्लादेश की पारी को संभाला।इन दोनों बल्लेबाजों ने चैंपियंस ट्रॉफी में छठे या इससे निचले क्रम के विकेट के लिए 154 रनों वाली सबसे बड़ी साझेदारी की।टीम इंडिया के गेंदबाजों ने शुरुआती 8 ओवर में 5 विकेट गिराने के बाद अगले 34 ओवर में कोई सफलता हासिल नहीं की,हालांकि इसकी ब?ी वजह फील्डरों ओर विकेट कीपर द्वारा आसान मौके गंवाना कहा जा सकता है।फिर भी 50 ओवर के मैच में मध्य ओवरों में विकेट न मिलना टीम के लिए आने वाले मैचों इस पहलू को सुधारने का सबक कहा जा सकता है।जडेजा ओर कुलदीप यादव की बिना विकेट गेंदबाजी फिलहाल यही इशारा कर रही है।भले ही इन गेंदबाजों ने बल्लेबाजों को खुलकर न खेलने दिया हो,लेकिन इसकी वजह बांग्लादेश के शुरुआती बल्लेबाजी का ल?ख?ाना कहा जा सकता है।मतलब साफ है कि अगर टीम इंडिया के गेंदबाज आने वाले मैचों में विपक्षी टीम के टॉप आर्डर के खिलाफ सफल नहीं रहते हैं तब इन गेंदबाजों की भूमिका निर्णायक हो सकती है।वहीं अगर हम टीम इंडिया की बल्लेबाजी की बात करें तो फिर बांग्लादेश टीम से मिले 229 रनों के लक्ष्य के लिए मजबूत बैटिंग आर्डर वाली टीम इंडिया से उम्मीद यही की जा रही थी कि वह इसको 35 से40 ओवर के बीच आसानी से हासिल कर लेगी, लेकिन उसको जीत के लिए 48 वें ओवर तक इंतजार करना प?ा।कप्तान रोहित शर्मा जहां अपने फेवरेट शॉट पुल ओर कट में जूझते दिखे,वहीं विराट,श्रेयस और अक्षर भी उम्मीदों पर खरे नही उतरे।हालांकि गिल और राहुल की साझेदारी ने आसानी से जीत को अंजाम दिया पर इस जीत के बाद भी टीम को सबक लेना होंगे,क्योंकि लीग चरण के सबक ही नॉक आउट राउंड की सफलता के असल हथियार बन सकते हैं।

फुटबॉल स्कूल के कोचों के साथ मिलने का सुनहरा मौका

तीन भारतीय खिलाड़ी मैनचेस्टर यूनाइटेड की अकादमी में ट्रेनिंग लेंगे

चंडीगढ़. एजेंसी

भारत के तीन युवा फुटबॉलर इंग्लैंड के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में ट्रेनिंग करने के लिए जाएंगे। इसके अलावा, इन खिलाड़ियों को दुनिया के शीर्ष फुटबॉलर क्लबों में शुमार मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल स्कूल के कोचों के साथ मिलने का भी सुनहरा मौका मिलेगा। ये तीन खिलाड़ी मिजोरम के पीसी लालचुआनवामा, भुवनेश्वर के श्रीजल किस्कु और लखनऊ के मोहम्मद अयान हैं। दरअसल, ये तीनों युवा भारतीय फुटबॉलर यूनाइटेड वी प्ले कार्यक्रम के विजेता बनें और पुरस्कार के तौर पर इन्हें ओल्ड ट्रेफर्ड जाने का मौका मिलेगा।

दो एशियाई खिलाड़ी भी विजेताओं में शामिल: इस कार्यक्रम के विजेताओं में भारत के तीन खिलाड़ियों के अलावा नेपाल और थाइलैंड के भी एक-एक खिलाड़ी को चुना गया है। इसमें थाइलैंड के चेनासन चेइथम और नेपाल के भक्ता बहादुर पारियार हैं।

क्या है यूनाइटेड वी प्ले कार्यक्रम: शीर्ष फुटबॉलर क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड भारत में युवा प्रतिभाओं को खोजने के लिए एक प्रतियोगिता का आयोजन करता है। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को कुछ समय की ट्रेनिंग के लिए लंदन स्थित क्लब की अकादमी में भेजा जाता है, ताकि वे अपनी प्रतिभा में निखार ला सकें।

भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने जापान को दी शिकस्त

जोहोर बारू . एजेंसी

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को यहां खेले जा रहे सुल्तान ऑफ जोहोर कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान को 4-2 से शिकस्त दी। भारतीय टीम की ओर से आमिर अली (12वें मिनट), गुरजोत सिंह (36 मिनट), सौरभ कुशवाहा (44 मिनट) और अंकित पाल (47 मिनट) ने एक-एक गोल दागा। वहीं, जापान की ओर से सुबासा तनाका ने 26वें और राकुसेई यामानाका ने 57 मिनट में गोल किया। ओलंपिक खेलों में दो कांस्य पदक जीतने वाले पूर्व दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश इस जूनियर भारतीय टीम के कोच हैं।

टेनिस: दुबई चैंपियनशिप के अंतिम-8 में हराया

17 वर्षीय मीरा ने नंबर-2 स्विटेक को हरा दिया

दुबई. रूस की 17 वर्षीय युवा टेनिस खिलाड़ी मीरा आंद्रिवा ने गुरुवार को यहां दुबई चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। गैरवरीय खिलाड़ी मीरा ने महिला एकल के क्वार्टरफाइनल में दुनिया की नंबर दो टेनिस खिलाड़ी इगा स्विटेक को 6-3, 6-3 से शिकस्त दी। मीरा की स्विटेक के खिलाफ दो मैचों में यह पहली जीत है। वहीं, पिछले आठ महीने में उनकी दुनिया की टॉप- खिलाड़ियों के खिलाफ यह दूसरी जीत है। इससे पहले, उन्होंने वर्तमान में नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को हराया था।

गोल्फ: भुल्लर रेकॉर्ड 12वां एशियन टूर खिताब जीतने के करीब

बैंकॉक. एजेंसी

भारत के गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने यहां खेले जा रहे ब्लैक माउंटेन चैंपियनशिप में शीर्ष पर बढ़त कायम रखी है। भुल्लर ने 19 अंडर का कार्ड खेला। इस टूर्नामेंट में दूसरे स्थान पर अमरीका के जॉन केटरिन हैं। भुल्लर ने 11 माह आखिरी खिताब जीता था और वह सूखे को खत्म करना चाहते हैं। भारतीय गोल्फर यदि यहां खिताब जीतते हैं तो यह उनका रेकॉर्ड 12वां एशियन टूर खिताब होगा।

मेट्रो बाजार

वित्तीय लेन-देन: 60 हजार करोड़ से घटकर 13930 करोड़ हुई रकम

नईदिल्ली. एजेंसी

आरबीआई के निर्देशों के बाद से बैंकों और एनबीएफसी कंपनियों में वित्तीय धोखाधड़ी पर धीरे-धीरे लगाम कस रही है। हालांकि वित्त बीते दो सालों में धोखाधड़ी के मामले जरूर बढ़े हैं, लेकिन इनमें लोगों द्वारा गंवाई रकम में रेकॉर्ड गिरावट आई है। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार 2022 में सामने आए कुल 9103 मामलों में लोगों ने 60 हजार करोड़ से ज्यादा की रकम गंवाई थी। वहीं बीते साल में कुल 35 हजार मामले सामने आए, लेकिन लोगों ने केवल 13930 करोड़

रुपए गंवाए और इसमें 46.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इस पर आरबीआइ का कहना है कि बैंकों और एनबीएफसी में बढ़ते आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग (एमएल) तकनीक के उपयोग से लोग बड़ी रकम गंवाने से बच रहे हैं, हालांकि जैसे-जैसे यूपीआइ और नेट-बैंकिंग का उपयोग मामलों में जरूर बढ़ोतरी हुई है। हाल ही में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि ऑटोमेशन के जरिए दैनिक कार्यों को आसानी से बिना इंसानी गलती के किया जा सकता है। रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन (आपीए) आसानी से हाई-वॉल्यूम काम और लेनदेन का प्रोसेस इंसानों के मुकाबले अधिक कुशलता के साथ संभाल सकता है। बैंकों और एनबीएफसी के लिए ग्रोथ काफी जरूरी है, लेकिन ये कभी भी बहुत बड़े जोखिम की कीमत पर नहीं आनी चाहिए। लंबी अवधि में सफलता के लिए जोखिम को कम रखना काफी जरूरी है, जिससे एक अच्छा वित्तीय सिस्टम हम बना पाएं। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर आसानी से असामान्य पैटर्न और लेनदेन की पहचान हो रह है। इससे वित्तीय संस्थान अपने ग्राहकों को धोखाधड़ी के खतरे से बचा रहे हैं।

तैयारी: अब गिग वर्कर्स को भी मिलेगी पेंशन!

नईदिल्ली. एजेंसी

ठेके पर काम करने वाले अस्थायी कर्मचारियों, कैब चालक से लेकर डिलीवरी ब्वॉय तक जल्द ही पेंशन सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिलने की उम्मीद है। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि श्रम मंत्रालय जल्द ही गिग वर्कर्स के लिए एक सामाजिक सुरक्षा ढांचा लागू करेगा। इसमें राइड-हेलिंग ड्राइवर और डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्टाफ जैसे मजदूरों को हेल्थ इंश्योरेंस और पेंशन के लाभ प्रदान किए जाएंगे। यह कदम श्रम संहिताओं (लेबर कोड) के पूर्ण कार्यान्वयन से पहले उठाया गया है। लेबर कोड को अभी तक लागू नहीं किया गया है, क्योंकि कई राज्यों ने इन्हें अब तक नहीं अपनाया है।

कमीशन घटा, काम के घंटे बढ़ गए

श्रम मंत्रालय डिजिटल प्लेटफॉर्म वर्कर्स से जुड़े संगठनों के साथ चर्चा कर रहा है। प्रतिनिधियों ने बताया ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ काम करते हुए उनका कमीशन कम हो गया और काम के घंटे बढ़ गए हैं, लेकिन सामाजिक सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है। ई-कॉमर्स कंपनियों की ओर से काटे जाने वाले प्रति बिल पर कुछ अतिरिक्त टैक्स या सेस लगाया जाए। इस धनराशि का इस्तेमाल ऑटो कैब चालक, डिलीवरी ब्वॉय की सेवा देने में लगे श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा पर किया जाए। मनसुख मंडाविया ने कहा, गिग वर्कर्स के हितों की रक्षा के लिए समिति का गठन किया जा चुका है। समिति की जल्द ही बैठक शुरू होगी, जो इस बिल का ड्राफ्ट तैयार करेगी।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

पैसों के लिए अन्नू कपूर ने चुना अभिनय का रास्ता

अभिनेता ने शुरुआती संघर्षों को किया याद

अन्नू कपूर की गिनती बॉलीवुड के शानदार अभिनेताओं में होती है। उनकी अदाकारी के चलते फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें एक विशेष पहचान हासिल है। सौ से अधिक फिल्मों और टेलीविजन शो में काम कर चुके अभिनेता ने अभिनय के क्षेत्र में आने के उद्देश्य के बारे में खुलासा किया। अन्नू ने बताया कि वह अभिनय के क्षेत्र में क्यों आए। अभिनेता ने सिनेमा की दुनिया में अपनी अरुचि के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने ने स्वीकार किया कि अभिनय में कोई दिलचस्पी नहीं थी। 'मैंने इसे पैसे के लिए किया। मेरा परिवार गरीब था और मेरे पास कोई और विकल्प नहीं था।' हिंदी सिनेमा में अभिनेता ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसमें 'मिस्टर इंडिया' और 'बेटा' जैसी फिल्मों में उनकी यादगार भूमिकाएं शामिल हैं, कपूर ने माना की अभिनय कभी भी एक सपना नहीं था, बल्कि एक लक्ष्य तक पहुंचने का साधन था। बचपन कठिनाइयों से भरा था। उनके पिता को उनके पेशे के कारण सामाजिक कलंक से जूझना पड़ा, उन्हें अपनी थिएटर कंपनी के कारण एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पड़ा। कपूर अपने पिता के त्याग के बारे में सम्मान के साथ बात करते हैं, याद करते हैं कि कैसे उन्होंने अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए भारी कठिनाई झेली।

अभिनेता ने भावुक होकर साझा किया, 'मेरे पिता ने अपनी युवावस्था टेंट में रहकर गुजारी, गुजारा करने के लिए संघर्ष किया। उनके पेशे के लिए उनका उपहास किया जाता था और इसीलिए मेरी मां चाहती थीं कि मैं एक पेशेवर नौकरी के साथ एक सम्मानजनक करियर बनाऊं।' गरीबी के दौर से गुजरते अपने परिवार के सफर का जिक्र करते हुए कहा, 'इस दुनिया में हमेशा गरीब ही पीड़ित होता है।' उन्होंने एएनआई से बातचीत के दौरान कहा, मेरे माता-पिता एक-दूसरे का बहुत सम्मान करते थे। मैं उस सम्मान और प्यार को देखते हुए बड़ा हुआ हूं। यह प्यार का वह मूल है जिसने आज मैं जो कुछ भी हूं, उसे आकार दिया है। कपूर अक्सर अपने माता-पिता की शिक्षाओं, खासकर एक-दूसरे के प्रति उनके सम्मान को याद करते हैं।

रिलेशनशिप पर आदित्य, करीना से बोले- *यह सीक्रेट ही रहने दें...*

हाल ही में करीना कपूर ने आदित्य रॉय कपूर से उनके रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में सवाल किया। इस पर आदित्य ने कहा कि इसे सीक्रेट ही नहीं दें। एक्टर ने आगे यह भी बताया कि उन्होंने कई लोगों को डेट किया है, जिसके साथ वे 3-5 साल रिश्ते में रहे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनन्या पांडे को भी आदित्य डेट कर चुके हैं। कुछ समय पहले खबर आई थी कि दोनों का ब्रेकअप हो गया। वहीं, आदित्य ने श्रद्धा कपूर के साथ फिल्म आशिकी 2 में काम किया था। इसके बाद से ही दोनों की डेटिंग की खबरें सामने आई थीं। एक शो के दौरान करीना कपूर ने कहा कि लोग जानना चाहते हैं कि क्या आदित्य सिंगल या किसी के रिश्ते में हैं? इस पर आदित्य ने कहा- मेरा स्टेटस? क्या चिल होना स्टेटस है? मैं चिलर हूं। इस पर करीना ने चुटकी लेते हुए कहा कि वह छुपा रुस्तम हैं। तो एक्टर ने हंसते हुए कहा- अच्छा है, रिलेशनशिप स्टेटस को सीक्रेट ही रहने दीजिए। करीना ने आदित्य से पूछा कि क्या उन्हें कमिटमेंट फोबिया हैं? जवाब में आदित्य ने कहा कि उनके कई रिश्ते रहे हैं। उन्होंने आगे कहा- मैं यह नहीं कर सकता कि मुझे कमिटमेंट से डर नहीं लगता है। जब मैं छोटा था और 20 साल की उम्र तक मेरे कई लंबे रिश्ते रहे।

एक्टर

अनिल को माधुरी के साथ अच्छी लगी सलमान की ऑनस्क्रीन जोड़ी

सलमान खान अपनी फिल्मों और निजी जिंदगी के कारण चर्चा में रहते हैं। सलमान ने बॉलीवुड की लगभग सभी अदाकाराओं के साथ फिल्मों में काम किया है। उनकी फिल्मों में ऑनस्क्रीन बेस्ट जोड़ी को लेकर चर्चा होती रहती है। ऐसे में अनिल कपूर ने सलमान की ऑनस्क्रीन जोड़ी को लेकर बात की। अनिल ने बिग बॉस-13 के दौरान बताया कि उन्हें सलमान के साथ माधुरी दीक्षित को ऑनस्क्रीन जोड़ी बहुत पसंद है। उर्वशी रौतेला ने बिग बॉस एक एपिसोड में अनिल कपूर से पूछा कि आपको सलमान खान की किस अभिनेत्री के साथ ऑनस्क्रीन जोड़ी अच्छी लगती है। इस पर अनिल ने कहा कि जब उन्होंने 'हम आपके हैं कौन' फिल्म देखी थी तो उनको माधुरी दीक्षित के साथ सलमान की जोड़ी बहुत अच्छी लगी थी। दोनों ने साथ में बहुत अच्छा काम किया था। अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित ने हिंदी सिनेमा में एक साथ कई फिल्मों में काम किया है। इसमें 'तेजाब', 'राम लखन', 'पुकार', 'बेटा' जैसी सुपरहिट फिल्में शामिल हैं। 90 के दशक में सुपरहिट फिल्में देने के 18 साल बाद साल 2019 में बड़े पर्दे पर नजर आई थी। दोनों को फिल्म 'डबल धमाल' में साथ में देखा गया था। सलमान खान और अनिल कपूर ने साथ में भी कई फिल्में की हैं। अनिल कपूर के साथ सलमान की खास फिल्मों में नो एंट्री, युवराज और बीवी नंबर वन जैसी कई फिल्में शामिल हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान इन दिनों बिग बॉस सीजन 18 को होस्ट कर रहे हैं। वहीं, अपनी सलमान अपनी आगामी फिल्म सिकंदर में नजर आने वाले हैं। अनिल कपूर अपनी फिल्म फाइटर में नजर आए थे।

परिजनों से नाराज होकर घर से निकली बालिका सकुशल बरामद

भोपाल। एमपी नगर इलाके में परिजनों से नाराज होकर निकली एक बालिका को पुलिस ने 7 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया। इसी प्रकार रास्ता भटके एक बालक को परिजनों के सुपुर्द किया गया है। थाना प्रभारी जयहिंद शर्मा ने बताया कि मैदामिल के पास राजीव नगर में रहने वाली 14 साल की एक बालिका घरवालों से नाराज होकर बगैर बताए कहीं चली गई। आसपास तलाश करने के बाद भी जब उसका कुछ पता नहीं चला तो परिजन थाने पहुंचे। थाना प्रभारी ने एक विशेष टीम बनाकर बालिका की तलाश में लगाया। सात घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस टीम ने बालिका को भीम नगर से सकुशल बरामद कर लिया। वह घरवालों से नाराज होकर अपनी बुआ की बहू के घर चली गई थी। पुलिस ने परिजनों को बच्चों के साथ उचित व्यवहार करने की समझाईश दी है। मंडीदीप से भोपाल पहुंचा बालक इसी प्रकार बोर्ड आफिस चौराहे के पास लावारिस हालत में घूम रहे 11 साल के एक बालक को देख लोगों ने डायल 100 को सूचना दी।

नाबालिग का अपहरण व दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

भोपाल। अरेरा हिल्स इलाके से एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी मनोज पटवा ने बताया कि इस मामले की रिपोर्ट बीती 7 फरवरी को दर्ज कराई गई थी। फरियादी ने बताया कि दिन में करीब डेढ़ बजे उनकी 15 साल की बेटी घर से बगैर बताए कहीं चली गई। आसपास और नाते रिश्तेदारों के यहां तलाश करने के बाद भी जब लड़की का कुछ पता नहीं चला तो परिजनों ने थाने जाकर उसके अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी ने बालिका की तलाश में एक विशेष टीम लगाई थी। इलेक्ट्रानिक संसाधनों और मुखबिरों की मदद से बालिका को दस्तयाब किया गया। पूछताछ के दौरान नाबालिग ने बताया कि सुधांशु उर्फ संजू वंशकार (22) उसे बहला-फुसलाकर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म भी किया। इस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। गत दिवस आरोपी सुधांशु वंशकार निवासी कोरी मोहल्ला दीवानगंज, थाना सलामतपुर जिला रायसेन को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

पेंशनर्स जिला आयुर्वेदिक अस्पताल में इलाज के लिए परेशान, आयोग ने दिए जांच के निर्देश

भोपाल। मप्र मानव अधिकार आयोग न जिला आयुर्वेदिक अस्पताल में पेंशनर्स को इलाज नहीं मिलने के मामले में संज्ञान लेते हुए जिला आयुष अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही रिपोर्ट?भी मांगी है।?आयोग के संज्ञान में आया है कि राजधानी के शिवाजी नगर स्थित जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय में पेंशनर्स को इलाज नहीं मिल रहा है। अस्पताल को आधी-अधूरी व्यवस्था के साथ संचालित किया जा रहा है। विगत वर्षों से दवाइयों का वितरण बंद कर दिया गया है, जिससे पेंशनर्स को अस्पताल से निशुल्क मिलने वाली दवाइयां तक नहीं मिल पा रही है और उनका इलाज नहीं हो पा रहा है। इस कारण पेंशनर्स को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जिला आयुष अधिकारी से मप्र मानव अधिकार आयोग ने तलब की पूरी कार्यवाही की रिपोर्ट

हमीदिया में नहीं हो रही जरूरी जांचें

हमीदिया अस्पताल एवं गांधी मेडिकल कॉलेज में एक दर्जन से ज्यादा जरूरी जांचें बंद पड़े होने का मामला सामने आया है। जरूरी जांचें बंद पड़े होने के कारण मरीजों को ऑपरेशन कराने के लिये परेशान होना पड़ रहा है मामले में आयोग ने डीन/अधीक्षक गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) हमीदिया अस्पताल, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक माह में मांगा है।

ऐशबाग थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस कर रही मामले की जांच

शराबी बेटे ने मारपीट करते हुए बुजुर्ग मां के गले पर मारा चाकू

शराब पीने के लिए घर का सामान बेचने लगा था बेटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित आचार्य नरेन्द्र देव नगर में शराब के नशे में धुत बेटे ने अपनी ही बुजुर्ग मां से मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। चाकू गले पर लगने से उन्हें गंभीर चोट आई है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरअसल, शराबी बेटा शराब पीने घर का सामान बेचने लगा था। मां ने उसे समझाइश दी तो वह भड़क गया और मां पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार आचार्य नरेन्द्र देव नगर निवासी लक्ष्मी बाई ठाकुर (64) छोटी बेटी सुनीता चंद्रवंशी के साथ रहती हैं और घर पर ही किराने की दुकान चलाती हैं। प्रताप सिंह उनका इकलौता बेटा है, जबकि तीन बेटियां है। प्रताप जुन्नारदेव छिंदवाड़ा में पत्नी के साथ रहता है और अक्सर भोपाल

आता है। गत 2 फरवरी को प्रताप मां के घर आया था। वह प्रतिदिन शराब पीकर घर आ रहा था। शराब के पैसे नहीं होने के कारण वह घर के सामान बेचने लगा था। गत 18 फरवरी की रात करीब साढ़े 8 बजे प्रताप शराब के नशे में घर लौटा। मां ने उसे समझाने का प्रयास तो वह मां से गाली-गलौज करने लगा। इस दौरान किचिन में रखी सब्जी काटने का चाकू ले आया और लक्ष्मी बाई के गले पर हमला कर दिया। उसने मां को जोरदार धक्का दे दिया। इससे मां अलमारी से टकराकर जमीन पर गिर गई। शोर सुनकर लक्ष्मी बाई की बेटी सुनीता चन्द्रवंशी व मोहल्ले के अन्य लोग मौके पर पहुंचे। सभी ने बीच बचाव किया तो प्रताप वहां से भाग निकला। घटना की सूचना मिलते ही महिला के भाई राकेश भी मौके पर पहुंच गए थे। वे इलाज के लिए लक्ष्मी बाई को जेपी अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल से इलाज कराने के बाद फरियादिया लक्ष्मी बाई ठाकु ऐशबाग थाने पहुंची और बेटे प्रताप सिंह ठाकुर की शिकायत की।

शातिर नकबजन को गिरफ्तार कर जब्त किया ढाई लाख का माल, जेल से छूटकर फिर करने लगा नकबजनी

भोपाल। सूखी सेवनिया पुलिस ने शातिर नकबजन को गिरफ्तार कर उसके पास से दो लाख चालीस हजार रुपए का माल बरामद किया है। आरोपी शातिर नकबजन है और उस पर पूर्व में चोरी और नकबजनी के दर्जन भर अपराध दर्ज है। आरोपी सांची और सलामतपुर में नकबजनी की वारदात में गिरफ्तार होकर जेल जा चुका है। गत महीने ही वह जेल से जमानत पर छूटा था और नकबजनी की वारदात करने लगा था। थाना प्रभारी रामबाबू चौधरी ने बताया कि कि भगवत राठौर पिता मोहनलाल राठौर (55) हैप्पी ग्रीन कालोनी, ओमकारा सेवनियां में रहते हैं। उन्होंने गत 27 फरवरी 2024 को शिकायत करते हुए बताया कि दिनदहाड़े उनके मकान से अज्ञात नकबजन ने किचन की ग्रिल तोड़कर चोरी कर ली है। नकबजन उनके घर से सोने चांदी के जेवरात सहित दो लाख चालीस हजार रुपए के जेवर लेकर गया है। पुलिस ने नकबजनी का प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश की। निगरानी बदमाश निकला नकबजन पूर्व में चोरी और नकबजनी की वारदात करने वालों बदमाशों की कुंडली खंगाली गई। इस दौरान पुलिस को पता चला कि थाने का निगरानी बदमाश और शातिर नकबजन अरुण उर्फ किंग लोधी जनवरी में ही जमानत पर रिहा हुआ है। पुलिस ने मुखबिर तंत्र सक्रिय कर आरोपी के बारे में पता लगाया। इसके बाद मुखबिर की सूचना पर पूर्व नकबजन अरूण उर्फ किंग लोधी पिता राजेंद्र लोधी (23) निवासी चौपड़ा कला को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने भगवत राठौर के घर दिनदहाड़े नकबजनी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार लिया। आरोपी से नकजनी के हाथ लगे दो लाख चालीस हजार रुपए के जेवरत जब्त किए गए है।

विद्यार्थियों को वैकल्पिक मार्ग से परीक्षा केंद्र जाने की सलाह, पीएम की सुरक्षा को लेकर बदला ट्रैफिक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आगामी सोमवार 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह 10 बजे से सवा 11 बजे तक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित जीआईएस समिट में शामिल होंगे। उनकी सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए राजभवन, पुराना मछली घर, केएन प्रधान तिराहा से प्रोफेसर कॉलोनी, पॉलीटेक्निक चौराहा, किलोल पार्क, भारत भवन, बोट क्लब आदि क्षेत्र का सामान्य यातायात प्रभावित होगा। इसी दिन मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा बोर्ड परीक्षाएं भी विभिन्न स्कूलों में आयोजित की जा रही हैं। उक्त परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए यातायात पुलिस ने विद्यार्थियों को वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी है। आने-जाने के लिये वैकल्पिक मार्ग के रूप में रेतघाट, मोती मस्जिद, बुधवारा, तलैया, कंट्रोल रूम, रोशनपुरा मार्ग का उपयोग किया जाएगा। इसी प्रकार नए शहर से पुराने शहर में जाने के लिए वैकल्पिक मार्ग का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा भी प्रतिबंधित मार्गों पर स्कूल वाहनों तथा विद्यार्थियों के आने पर पॉलिटेक्निक चौराहा से केएन प्रधान, पुराना मछली घर होकर व्हीव्हीआईपी आगमन के समय के पूर्व उनके वाहनों को आने जाने के लिए रास्ता दिया जायेगा।

पुलिस ने कहा है कि किसी भी परिस्थिति में विद्यार्थियों के वाहनों को अनावश्यक नहीं रोका जायेगा। यातायात पुलिस ने अभिभावकों और स्कूल संचालकों से अपील की है कि परीक्षाओं तथा प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए समय से पूर्व इन मार्गों पर आवागमन करना सुनिश्चित करें। वाहनों के फंसने पर या किसी प्रकार की यातायात समस्या होने पर व्हाट्सएप हेल्पलाईन कंट्रोल रूम पर सूचना दी जा सकती है, जिससे विद्यार्थियों की मदद की जा सके।

परिवार से अनबन: लेबर कांट्रेक्टर ने डैम में कूदकर दी जान, गोताखोरों ने निकाला शव

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित हथाईखेड़ा डैम में कूदकर लेबर कांट्रेक्टर ने आत्महत्या कर ली। वे बुधवार को परिवार से अनबन होने के बाद घर से स्कूटर लेकर निकले थे। इसके बाद उनका शव गुरुवार शाम पिपलानी पुलिस ने बरामद किया। पुलिस को मृतक की तलाशी लेने पर सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार गौरव चौकसे पिता लीला किशन चौकसे (36) गांव हथाईखेड़ा, पिपलानी में रहते थे। वे लेबर कांट्रेक्टर थे। बुधवार को उनकी पत्नी और माता-पिता से अनबन हो गई। वे शाम को स्कूटर लेकर घर से निकल गए। रात करीब दस बजे तक उनकी पत्नी से बातचीत होती रही। इसके बाद से वह पत्नी के कांटेक्ट में नहीं थे।

बिल्डर ने एक ही प्लाट को तीन लोगों को बेचकर की ठगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अवधपुरी पुलिस ने एक बिल्डर के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी ने साल 2005 में प्रेम नगर अवधपुरी में प्लाटिंग की थी। उसी दौरान आरोपी ने अलग-अलग समय में तीन लोगों को एक ही प्लाट बेचकर तीनों की रजिस्ट्री भी करा दी। पुलिस का अनुमान है कि एक ही प्लाट की तीन अलग-अलग रजिस्ट्रियां रजिस्ट्रार ऑफिस के कर्मचारियों के मिलीभगत से ही हुई होंगी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक आकांक्षा काम्प्लेक्स एमपी नगर निवासी विनोद वर्मा (35) कंस्ट्रक्शन का काम करते हैं। साल 2005 में आशीष चक्रवर्ती ने प्रेम नगर अवधपुरी में प्लाट काटे थे। विनोद वर्मा ने 520 वर्गफिट का प्लाट क्रमांक 17 बी एक लाख रुपए में खरीदा था। आशीष चक्रवर्ती ने प्लाट की रजिस्ट्री भी

पंजीयन कार्यालय की भी मिलीभगत का अंदेशा

विनोद के नाम से करा दी थी। लेकिन पिछले दिनों फरियादी को पता चला है कि उसने जो प्लाट खरीदा है वही प्लाट दो अन्य लोगों राजू वाचाल और राजीव शर्मा को भी बेच दिया गया है। उक्त प्लाट की रजिस्ट्रियां वाचाल और शर्मा के नाम से भी करा दी गई हैं। फरियादी ने शिकायती आवेदन आला अधिकारियों को दिया था। आवेदन जांच के बाद आरोपी आशीष चक्रवर्ती के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया है। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

मेट्रो एंकर महिला नक्सलियों पर घोषित था 62 लाख का इनाम

30 साल बाद मुठभेड़ में 4 खूंखार नक्सली धराशायी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश पुलिस ने विगत दिवस एक बड़ी मुठभेड़ में माओवादियों के एमएमसी जोन (मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़) के केबी डिवीजन (कान्हा भोरमदेव) की भोरमदेव एरिया कमेटी के 4 हार्डकोर महिला नक्सलियों को मार गिराया। इन चारों महिला नक्सलियों पर कुल 62 लाख रुपये का इनाम घोषित था। सुरक्षा बलों की आक्रामक कार्यवाही से बौखलाए माओवादी बालाघाट के थाना गढ़ी अंतर्गत सूपखार जंगल में सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने की कोशिशें कर रहे थे।

इनकी गतिविधियों के संबंध में लगातार सूचना मिलने पर इनकी तलाश के लिए सुरक्षाबलों को सूपखार जंगल के रौंदा गढ़ीदादर कटोलदेही क्षेत्र में भेजा गया। सर्चिंग अभियान के दौरान माओवादियों द्वारा सुरक्षा बलों को हताहत करने

तथा उनके हथियार लूटने की नियत से अंधाधुंध फायरिंग की गई। सुरक्षा बलों द्वारा अपनी जान की परवाह न करते हुये सूझबूझ से नियंत्रित एवं प्रभावी जवाबी फायरिंग की गई, जिसमें 4 वर्दीधारी हार्डकोर महिला माओवादी मारी गईं। इनके कब्जे से 1 इंसास रायफल मय मैग्जीन, 1 एसएलआर रायफल मय मैग्जीन, एक 303 रायफल व एक 315 रायफल तथा दैनिक उपयोग की अन्य सामग्री बरामद की गई। मुठभेड़ के दौरान अन्य नक्सली घने जंगल का फायदा उठाकर भाग गए। उनकी तलाश में सीआरपीएफ, हॉकफोर्स तथा जिला पुलिस द्वारा मुठभेड़ क्षेत्र में बड़े स्तर पर सघन सर्चिंग अभियान संचालित किया जा रहा है। 30 साल बाद मिली बड़ी सफलता यह भी विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इस मुठभेड़ से लगभग 30 वर्ष पहले 1996 में बालाघाट के धीरी-मुरुम जंगल में हुई मुठभेड़ में 4 माओवादी ढेर किये गये थे। उसके बाद यह बड़ी सफलता मिली है। मारी गई महिला नक्सलियों की पहचान आशा निवासी दक्षिण बस्तर जिला सुकमा, रंजीता उर्फ रमली अलमी निवासी ग्राम तुमरीवाल, ब्लाक कुशम, तहसील मरदापाल जिला कोण्डागांव, सरिता उर्फ शीला उर्फ पदम निवासी ग्राम पेन्टा, थाना जगरकुगुंडा जिला सुकमा और लख्खे मरावी, निवासी जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ के रूप में की गई है। सभी मृतक माओवादी संगठन के एमएमसी जोन के केबी डिवीजन की भोरमदेव एरिया कमेटी के सदस्य हैं। इनके विरूद्ध दर्ज आपराधिक मामलों की जानकारी प्राप्त की जा रही है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022